**NEET Bulletin Helpline No.**
**8800265682**
**Completely NEET Counselling Guidance specially for**
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

# विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 81 लखनऊ, बुधवार 06 नवंबर 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

## उत्तर प्रदेश में डीजीपी की नियुक्ति को लेकर बदला नियम, योगी कैबिनेट की मंजूरी भी मिली

संवाददाता।

लखनऊ सोमवार को देर रात हुई कैबिनेट बैठक में, योगी आदित्यनाथ सरकार ने नियुक्ति नियमों में संशोधन किया और सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले पैनल द्वारा डीजीपी के स्वतंत्र और पारदर्शी चयन के लिए नियमों के एक नए सेट को मंजूरी दी।उत्तर प्रदेश सरकार पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और मुख्य सचिव की नियुक्ति में यूपीएससी नियम का पालन नहीं करेगी। सोमवार को देर रात हुई कैबिनेट बैठक में, योगी आदित्यनाथ सरकार ने नियुक्ति नियमों में संशोधन किया और सेवानिवृत्त उच्च



न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले पैनल द्वारा डीजीपी के स्वतंत्र और पारदर्शी चयन के लिए नियमों के एक नए सेट को मंजूरी दी। इसके साथ ही सरकार अब डीजीपी की नियुक्ति के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) पैनल को नाम नहीं भेजेगी। नए दिशानिर्देशों में कहा गया है कि नियुक्ति नियम, 2024 का उद्देश्य डीजीपी के पद पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त व्यक्ति के चयन के लिए एक स्वतंत्र और पारदर्शी तंत्र स्थापित करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उक्त चयन राजनीतिक या कार्यकारी हस्तक्षेप से मुक्त हो और उत्तर प्रदेश की विशिष्ट परिस्थितियों और पुलिसिंग आवश्यकताओं के अनुरूप हो। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली चयन समिति में मुख्य सचिव, यूपीएससी द्वारा नामित एक व्यक्ति, यूपी लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या उनके नामित व्यक्ति, अतिरिक्त मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव गृह और एक सेवानिवृत्त डीजीपी शामिल होंगे। नए संशोधन के मुताबिक डीजीपी का न्यूनतम कार्यकाल दो साल का होगा। रिक्ति सृजन की तिथि पर उम्मीदवारों के पास छह महीने की सेवा शेष होनी चाहिए। दिशानिर्देशों में कहा गया है।

## डीजीपी की नियुक्ति के निर्णय पर अखिलेश ने योगी सरकार पर कसा तंज, लखनऊ-दिल्ली में सब कुछ ठीक नहीं

संवाददाता।

लखनऊ अखिलेश यादव ने कहा कि कार्यवाहक–डीजीपी की यह जो नई परंपरा इस राज्य में शुरू हुई है – सभी अधिकारी दुखी हैं क्योंकि उन्हें मौका नहीं मिला। यह अपने पसंदीदा व्यक्ति को पद पर बिठाने के लिए किया गया है। उत्तर प्रदेश के डीजीपी की नियुक्ति के लिए नई नियमावली को मंजूरी दे दी गई है। नए नियमों के मुताबिक, डीजीपी की नियुक्ति कम से कम दो साल के लिए की जाएगी और डीजीपी की नियुक्ति के लिए हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एक नामांकन समिति का गठन किया जाएगा। नई नियमावली के मुताबिक, डीजीपी की नियुक्ति तभी होगी जब अधिकारी की सेवा में कम से कम 6



महीने बचे हों। हालांकि, योगी सरकार के इस फैसले को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव हमलावर हो गए है।अखिलेश यादव ने कहा कि कार्यवाहक–डीजीपी की यह जो नई परंपरा इस राज्य में शुरू हुई है – सभी अधिकारी दुखी हैं क्योंकि उन्हें मौका नहीं मिला। यह अपने पसंदीदा व्यक्ति को पद पर बिठाने के लिए किया गया है। इससे पहले अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि सुना है किसी बड़े अधिकारी को स्थायी पद देने और और उसका कार्यकाल 2 साल बढ़ाने की व्यवस्था बनायी जा रही है३ सवाल ये है कि व्यवस्था बनानेवाले खुध्द 2 साल रहेंगे या नहीं। कहीं ये दिल्ली के हाथ से लगाम अपने हाथ में लेने की कोशिश तो नहीं है। दिल्ली बनाम लखनऊ 2.0 ।राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को अपनी एक बैठक में 'पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश के पुलिस बल प्रमुख) चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024' को मंजूरी दी। उन्होंने बताया इस नियमावली का मकसद पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति के लिए एक स्वतंत्र और पारदर्शी तंत्र स्थापित करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह चयन 'राजनीतिक या कार्यकारी हस्तक्षेप' से मुक्त हो और उत्तर प्रदेश की विशिष्ट दशाओं तथा पुलिस प्रणाली की आवश्यकताओं के अनुरूप भी हो। सूत्रों के अनुसार डीजीपी के चयन और नियुक्ति के लिए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाएगी। इसमें प्रदेश के मुख्य सचिव के साथ–साथ संघ लोक सेवा आयोग

## बांग्लादेशी घुसपैठिये झारखंड के लिए खतरा, शिवराज बोले– उन्हें जड़ से उखाड़ फेंकना भाजपा का संकल्प

, tशlhA

नई दिल्ली भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि यह झामुमो–कांग्रेस सरकार आधार कार्ड और राशन कार्ड बनाती है और उन्हें वोटिंग सूची में जोड़ती है। कुछ मामलों में, वे हमारी आदिवासी बेटियों से शादी करते हैं और उनके नाम पर जमीन खरीदते हैं। झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठिये का मुद्दा भाजपा की ओर से खूब उठाया जा रहा है। भाजपा इसको लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साध रही है। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बार फिर से इस




मामले को लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर सीधा वार किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड में झामुमो–कांग्रेस सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशी घुसपैठिये राज्य में प्रवेश कर रहे हैं। वे न सिर्फ यहां आ रहे हैं बल्कि राज्य के लिए खतरा भी बन रहे हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि यह झामुमो–कांग्रेस सरकार आधार कार्ड और राशन कार्ड बनाती है और उन्हें वोटिंग सूची में जोड़ती है। कुछ मामलों में, वे हमारी आदिवासी बेटियों से शादी करते हैं और उनके नाम पर जमीन खरीदते हैं। उन्होंने कहा कि ये घुसपैठिये हमारी आदिवासी बेटियों और झारखंड के लिए खतरा बन रहे हैं। संथाल में आदिवासियों की आबादी 44: से घटकर 28: रह गयी है। यह खतरा झामुमो–कांग्रेस–राजद सरकार के कारण पैदा हुआ है। इन घुसपैठियों को जड़ से उखाड़ फेंकना भाजपा का संकल्प है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि झारखंड की जनता श्रोटी, बेटी और माटीश को बचाने के लिए कृतसंकल्पित है। आदिवासियों की आबादी घटकर मात्र 28 फीसदी रह गयी है। झारखंड में बदलाव का माहौल है। झारखंड में एनडीए–बीजेपी की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि हम रोटी, बेटी और माटी की रक्षा के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। हम झारखंड की जनता के उत्थान और गरीबों के कल्याण के सपने को सच करने लड़ रहे है। इस लड़ाई में, इस संघर्ष में पूरा झारखंड हमारे साथ है। शिवराज ने कहा कि हेमंत जी बौखला गए हैं। उनके पापों का घड़ा भर चुका है, झारखंड की जनता उन्हें कुर्सी से उतारने का फैसला ले चुकी है।

## जम्मू कश्मीर के बांदीपुरा में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़

एजेंसी।

बांदीपुरा के वन क्षेत्र में सेना के जवानों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी की खबर है। माना जा रहा है कि इलाके में करीब दो आतंकवादी फंसे हुए हैं। यह घटना जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर में टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर के पास ग्रेनेड विस्फोट में 12 लोगों के घायल होने के दो दिन बाद हुई है। जम्मू कश्मीर के बांदीपुरा जिले में मंगलवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच



मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने मंगलवार को बांदीपुरा जिले के चूंटपाथरी वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। बांदीपुरा के वन क्षेत्र में सेना के जवानों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी की खबर है। माना जा रहा है कि इलाके में करीब दो आतंकवादी फंसे हुए हैं। यह घटना जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर में टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर के पास ग्रेनेड विस्फोट में 12 लोगों के घायल होने के दो दिन बाद हुई है। यह विस्फोट रविवार के बाजार में विस्फोट से इलाके में दहशत फैल गई और दुकानदारों को छिपने के लिए इधर–उधर भागना पड़ा। श्रीनगर के लाल चौक पर हर रविवार को साप्ताहिक बाजार लगता है, जहां बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होते हैं। पिछले हफ्ते सुरक्षा बलों ने जम्मू–कश्मीर में दो अलग–अलग मुठभेड़ों में तीन आतंकवादियों को मार गिराया था। श्रीनगर के खानयार इलाके में एक आतंकवादी मारा गया था। आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सीआरपीएफ के दो जवान और दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। अन्य दो आतंकवादियों को जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले के शांगस–लार्नू इलाके में हलकान गली के पास सुरक्षा बलों ने मार गिराया था।

## झारखंड चुनाव के लिए इण्डिया ब्लाक ने जारी किया अपना घोषणापत्र, 7 गारंटियों का ऐलान

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमने गारंटी की घोषणा की जिसे पूरा किया जा सकता है। जब भी हम गारंटी की बात करते हैं तो मोदी साहब उस पर टिप्पणी करते हैं। चुनावी राज्य झारखंड में मतदान से कुछ दिन पहले, झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम), कांग्रेस, राजद और सीपीआई–एम के गठबंधन ने मंगलवार को एक संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। संयुक्त घोषणा पत्र जारी करने के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सीएम हेमंत सोरेन मौजूद रहे। सोरेन ने कहा कि महागठबंधन के सभी नेता राज्य में सरकार बनने के बाद जिन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाएंगे, उनके बारे में 7 गारंटी जारी करने के लिए आज यहां एकत्र हुए। सोरेन ने यह भी कहा कि चुनाव में मतदाताओं को यह बताना जरूरी है कि उन्हें किसी पार्टी के पक्ष में वोट क्यों देना चाहिए। चुनाव के बाद आने वाली सरकार में हम क्या आगे बढ़ाएंगे, इसके बारे में हमने आपको 7 गारंटी दी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का कार्यकाल अभी एक महीना और होना था, लेकिन जाने कौन सी विकट परिस्थिति आ गई कि चुनाव एक महीना पहले ही करवाए जा रहे हैं। आज चुनाव आयोग के आदेशानुसार 2 चरणों में चुनाव हो रहे हैं, जो पहले 5 चरणों में हुआ करते थे। वर्तमान सरकार में हम हर संभव प्रयास कर उन लोगों तक पहुंचे हैं, जहां आवाजें, लोग और उपलब्धियां नहीं पहुंचती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमने गारंटी की घोषणा की जिसे पूरा किया जा सकता है। जब भी हम गारंटी की बात




करते हैं तो मोदी साहब उस पर टिप्पणी करते हैं। उन्होंने कहा कि कल वे झारखंड में थे, भाषण के दौरान उन्होंने मेरे हवाले से कहा कि कांग्रेस द्वारा दी गयी गारंटी पर भरोसा नहीं किया जा सकता। दूसरा– श्मैया सम्मान योजना दिसंबर 2024 से मैया सम्मान योजना के तहत 2,500 रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी, जो वर्तमान में 1,000 रुपये है ।तीसरा है सामाजिक न्याय की गारंटी एसटी – 28:, एससी – 12:, ओबीसी – 27: आरक्षण। चौथा– श्खाद्य सुरक्षा गारंटीश प्रति व्यक्ति 7 किलो के हिसाब से राशन वितरण किया जाएगा। पांचवां है– श्रोजगार और स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटीश (झारखंड के) 10 लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार दिया जाएगा और 15 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा। ठा है शशिक्षा की गारंटी। सातवां है शकिसान कल्याण गारंटी एमएसपी को 2,400 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये से अधिक किया जाएगा।

## जगदंबिका पाल बोले– समय पर सौंपेंगे जेपीसी की रिपोर्ट

एजेंसी।

भाजपा सांसद ने कहा कि हम सभी को अपनी राय व्यक्त करने का अवसर दे रहे हैं। इन 25 बैठकों में से प्रत्येक आम तौर पर 9–10 घंटे तक चली। जेपीसी अपनी रिपोर्ट सौंपने की समय सीमा को पूरा करने में सक्षम होगी।

वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठकों को लेकर समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने बड़ी जानकारी दी है। जगदंबिका पाल ने कहा कि मैंने पहली बैठक 22 अगस्त को की. आज तक 25 बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों के दौरान 6 मंत्रालयों, 37 हितधारकों की जांच की गई। लगभग 123 हितधारक समिति के समक्ष उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि 9 से 14 नवंबर तक, हम अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए कई प्रतिनिधिमंडलों से मिलने के लिए कई शहरों का दौरा करेंगे। भाजपा सांसद ने कहा कि हम सभी को अपनी राय व्यक्त करने का अवसर दे रहे हैं। इन 25 बैठकों में से प्रत्येक आम तौर पर 9–10 घंटे तक चली। जेपीसी अपनी रिपोर्ट सौंपने की समय सीमा को पूरा करने में सक्षम होगी। हालांकि, कई विपक्षी सांसदों ने जगदंबिका पाल पर आरोप लगाते रहे हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति में शामिल विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर समिति के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद जगदम्बिका पाल द्वारा कथित तौर पर लिए जा रहे

## प्रदेश सरकार के मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के अक्टूबर माह में कुल 30 17111.00 करोड़ का राजस्व प्राप्त अक्टूबर, 2023 के सापेक्ष अक्टूबर, 2024 में 2069.54 करोड़ रु0 की वृद्धि

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि मुख्य कर–करेत्तर राजस्व वाले मदों में वित्तीय वर्ष 2024–25 के अक्टूबर माह में कुल 17111.00 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ जबकि वित्तीय वर्ष 2023–24 के अक्टूबर माह में 15041.46 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस प्रकार गत वर्ष के अक्टूबर माह के सापेक्ष वर्तमान वर्ष के अक्टूबर माह में 2069.54 करोड़ रूपये राजस्व अधिक प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्यकर के अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष के अक्टूबर माह में 8970.43 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई है। जो गत वर्ष के इसी अवधि में प्राप्त राजस्व से 413.22 करोड़ रूपये अधिक है। जी०एस०टी० के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 में कुल 6799.27 करोड़ रूपये की राजस्व प्राप्ति हुई, जबकि गत् वर्ष अक्टूबर, 2023 के माह में प्राप्ति 6266.95 करोड़ रूपये रही थी। वैट के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 में 2171.16 करोड़ रूपये की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत् वर्ष माह अक्टूबर, 2023 में प्राप्ति 2290.26 करोड़ रूपये रही थी ।वित्त मंत्री ने बताया कि आबकारी के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 में कुल 3767.72 करोड़ रूपये की राजस्व प्राप्ति हुई है जो माह अक्टूबर में राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य का 80.2 प्रतिशत है। जबकि गत् वर्ष माह अक्टूबर, 2023 में आबकारी मद में प्राप्ति 3326.16 करोड़ रूपये रही थी। स्टाम्प तथा निबन्धन के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 की राजस्व प्राप्ति 2890.88 करोड़ रूपये है जो इस अवधि के निर्धारित लक्ष्य का 90.3 प्रतिशत है। जबकि गत् वर्ष माह अक्टूबर, 2023 में प्राप्ति 2026.28 करोड़ रूपये रही थी। इस प्रकार स्टाम्प तथा निबधन मद में प्राप्ति गत वर्ष माह अक्टूबर की तुलना में इस वर्ष माह अक्टूबर में 864.60 करोड़ रूपये अधिक है। परिवहन के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 की राजस्व प्राप्ति 1074.76 करोड़ रूपये है जो इस अवधि में राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य का 86.2 प्रतिशत है। जबकि गत् वर्ष माह अक्टूबर, 2023 में प्राप्ति 856.28 करोड़ रूपये रही थी। उन्होंने बताया कि करेत्तर राजस्व की प्रमुख मद भू–तत्व एवं खनिकर्म के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 में प्राप्ति 407.21 करोड़ रूपये है जबकि गत् वर्ष माह अक्टूबर, 2023 में प्राप्ति 275.53 करोड़ रूपये रही थी। सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024–25 के माह अक्टूबर तक राज्यकर के अंतर्गत राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य 156981.89 करोड़ रूपये के सापेक्ष 64103.33 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 40.8 प्रतिशत है। राज्यकर के अंतर्गत जीएसटी मद में 47598.67 करोड़ रूपये तथा वैट के अंतर्गत 16504.66 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई है। आबकारी मद के अंतर्गत माह अक्टूबर तक राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य 58307.56 करोड़ रूपये के सापेक्ष 26332.02 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई है। जबकि गत वर्ष इस अवधि तक निर्धारित लक्ष्य 58000 करोड़ रूपये के सापेक्ष 23552.70 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई थी। स्टाम्प तथा निबंधन में वर्तमान वित्तीय वर्ष के अक्टूबर माह तक राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य 35651.93 करोड़ रूपये के सापेक्ष 17723.32 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 49.7 प्रतिशत है। गत वर्ष इसी अवधि तक निर्धारित लक्ष्य 34560 करोड़ रूपये के सापेक्ष 15438.55 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई थी। परिवहन मद के माह अक्टूबर तक निर्धारित लक्ष्य 12504.73 करोड़ रूपये के सापेक्ष 6374.46 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में राजस्व प्राप्ति की निर्धारित

## कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने केन्द्रीय उर्वरक एवं रसायन मंत्री जे0पी0 नड्डा से की मुलाकात

### उत्तर प्रदेश में उर्वरकों की आपूर्ति पर केंद्र की प्रतिबद्धता, रबी सीजन के लिए विशेष प्रबंध.

लखनऊ(आरएनएस)। आज नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने केन्द्रीय उर्वरक एवं रसायन मंत्री जे०पी० नड्डा से मुलाकात कर आगामी रबी सीजन के लिए राज्य में उर्वरकों की आपूर्ति को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान, उन्होंने मौजूदा दलहनी, तिलहनी और आलू फसलों की बुवाई के साथ–साथ अगले सप्ताह से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गेहूं की बुवाई की तैयारी पर विशेष रूप से ध्यान दिलाया। प्रदेश भर में 15 नवम्बर से 15 दिसम्बर के बीच एकसाथ गेहूं की बुवाई के कार्य को सफलतापूर्वक सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त उर्वरक उपलब्धता पर जोर दिया गया।वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 2.34 लाख मी०टन डी०ए०पी० और 2.63 लाख मी०टन एन०पी०के० उर्वरक उपलब्ध है। किसानों में बढ़ती डी०ए०पी० की मांग के मद्देनजर, कृषि मंत्री ने नवम्बर महीने में कम से कम 6 लाख मी०टन डी०ए०पी० और 2 लाख मी०टन एन०पी०के० की आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। इसके अलावा, सहकारिता क्षेत्र के लिए नवम्बर 2024 में 2.50 लाख मी०टन डी०ए०पी० का विशेष आवंटन, और प्रतिदिन कम से कम 8 रैक फास्फेटिक उर्वरकों की आपूर्ति पर भी चर्चा हुई। मंत्री शाही ने इफको के कांडला प्लांट से पश्चिमी जनपदों के लिए डी०ए०पी० की शीघ्र आपूर्ति और पूर्वी एवं पश्चिमी बंदरगाहों पर पर्याप्त रैक की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस पर केन्द्रीय मंत्री जे०पी० नड्डा ने आश्वासन दिया कि राज्य को उर्वरकों की आपूर्ति में कोई कमी नहीं होगी और किसानों को समय पर उर्वरक मुहैया कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

## प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने लोक आस्था के छठ महापर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी लखनऊ एवं नगर आयुक्त को दिए निर्देश

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने लोक आस्था के छठ महापर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी लखनऊ एवं नगर आयुक्त को जनपद के विभिन्न घाटों एवं पूजा स्थलों पर व्यापक साफ सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि लखनऊ के विभिन्न घाटों पर आयोजित होने वाले छठ पूजा में आने वाले श्रद्धालुओं एवं उपासकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि सभी घाटों पर साफ–सफाई के साथ–साथ प्रकाश का समुचित प्रबंध अनिवार्य रूप से कराया जाए। घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं हेतु शुद्ध पेयजल के प्रबंध हेतु भी उन्होंने निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए, जिससे छठ महापर्व के उपासकों को अपने व्रत, पूजा एवं अर्घ्य की प्रक्रिया और पवित्रता में कोई व्यवधान न उत्पन्न हो।

## जनजातीय गौरव दिवस का होगा आयोजन

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण विभाग द्वारा 15 नवम्बर, 2024 को ''जनजातीय गौरव दिवस'' के अवसर पर 'जनजाति भागीदारी उत्सव' का वृहद स्तर पर आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन के सफल आयोजन हेतु समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में एक बैठक कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम से संबंधित सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। कार्यक्रम में जनजातीय जीवन की स्पष्ट झलक आनी चाहिए। इस कार्यक्रम में आने वाले कालाकारों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में भारत के 22 राज्यों–उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, सिक्किम, त्रिपुरा, असम, गुजरात, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, झारखण्ड, जम्मूकश्मीर, बिहार, मिजोरम, मेघालय, पश्चिम बंगाल एवं दिल्ली के अतिरिक्त विदेशों की दो टीमों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति कराया जायेगा। साथ ही जनजातीय कलाकारों के साथ–साथ घुमन्तु जातियों, नट, बीन, बहरूपिया एवं भपंग वादन, कच्ची घोड़ी, लॉगमैन, कठपुतली के कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में आदिवासी कलाकारों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, परिधान, व्यंजन, जनजातीय खेलों के अतिरिक्त आकर्षक शिल्प से सुसज्जित 100 दुकानों का शिल्प मेला लगाया जायेगा। जनजातीय वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति एवं उनकी प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी। उन्होंने कहा कि जनजातीय हस्तशिल्प मेले में फोटो सेशन, लोक नृत्य, लोक कलाओं का अनूठा संगम दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र रहेगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 06 नवंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com


# महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन के लिए सरकार संकल्पबद्ध – केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि मा0 प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में देश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार हुये हैं और देश इस क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और सुरक्षा के लिए विश्वस्तरीय मानक स्थापित करने की ओर लगातार अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में भी खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे हैं, और नई खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति में किसानों व उद्यमियों को विभिन्न सुविधाएं व अनुदान सरल तरीके से उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है, जिसके तहत लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की बेहतर कार्यप्रणाली व सरकार के प्रयासों से लोगों को अच्छे व पौष्टिक खाद्य पदार्थ तो प्राप्त होंगे ही, खाद्य प्रसंस्कृत पदार्थो के निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। उप मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश भी दिए हैं कि मोटे अनाजों के प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के उत्पादों को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जाए।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन के लिए सरकार पूरी तरह संकल्पबद्ध है।उप मुख्यमंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों कुछ दीदियों खाद्य प्रसंस्करण के कार्यो से जोड़कर उन्हें प्रशिक्षित करने की दिशा में ठोस व प्रभावी कदम उठायें। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु मंगलवार को क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग तथा चाय वाला फाउंडेशन के बीच एम ओ यू किया गया।इस पहल का उद्देश्य महिलाओं के उत्पादों को बाजार में लाना और उनकी आर्थिक स्थिति को सशक्त करना एवं आत्मनिर्भर बनाना है। क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, लखनऊ द्वारा प्रशिक्षित महिलाओं, महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को चाय वाला फाउंडेशन, मुख्यालय दोव डेक टावर सी–204, वदोद्रा गुजराज एवं लोकल पता विभव खण्ड–4द 24 नीयर मंत्री आवास, गोमती नगर, लखनऊ द्वारा संचालित मॉडल आउटलेट्स पर स्ट्रीट वेंडर के रूप में समस्त सरकारी दफ्तर (समस्त कलेक्ट्रेट डिस्ट्रिक्स हास्पिटलस नगर पालिका एवं नगर निगम के अन्तर्गत आने वाले स्थान विकास प्राधिकरण ब्लॉक आवास विकास चौराहा एवं कालोनी तथा प्राइवेट स्थान पर भी) विक्रय करने के लिए समझौता किया गया। आर फ्रैंक के निदेशक एस के चौहान ने बताया कि क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर–फैक) द्वारा महिलाओं, महिला स्वयं सहायता समूहों को खाद्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग, और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद निर्माण में विभिन्न विभागों को सौजन्य से प्रशिक्षण प्रदान करेगा। चाय वाला फाउंडेशन द्वारा संचालित मॉडल आउटलेट्स पर क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर–फैक) द्वारा प्रशिक्षित महिलाओं के उत्पाद स्ट्रीट वेंडर मॉडल के तहत विक्रय किए जाएंगे। ये आउलटलेट (समस्त कलेक्ट्रेट डिस्ट्रिक्स हास्पिटलस नगर पालिका एवं नगर निगम के अन्तर्गत आने वाले स्थान विकास प्राधिकरण ब्लॉक आवास विकास चौराहा एवं कालोनी तथा प्राइवेट स्थान पर भी) खोले जायेगें।चाय वाला फाउंडेशन क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर–फैक) द्वारा प्रशिक्षित महिलाओं को अपने उत्पादों को बेचने के लिए आउटलेट्स उपलब्ध कराएगा और उनकी मार्केटिंग, पैकेजिंग, और बिक्री प्रबंधन में सहयोग प्रदान करेगा।चायवाला फाउंडेशन द्वारा संचालित आउटलेट के माध्यम से फिक्स्ड मंथली हिस्सा फिक्स्ड रॉयल्टी धनराशि रू०0–1000 प्रति आउटलेट प्रतिमाह क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर–फैक) को देय होगा। क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केंद्र, (आर–एफएसी) उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण और उत्पाद निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान करेगा। उत्पादों की गुणवत्ता और मानकों की निगरानी करेगा।महिलाओं को उत्पाद निर्माण के लिए आवश्यक संसाधन और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएगा। चाय वाला फाउंडेशन, महिलाओं के बने उत्पादों के विक्रय के लिए मॉडल आउटलेट्स की स्थापना और संचालन करेगा। इन आउटलेट्स में महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा। आउटलेट्स की मार्केटिंग और प्रचार के लिए सहयोग करेगा ताकि अधिक से अधिक ग्राहक महिलाओं के उत्पादों को खरीद सकें। लक्षित महिला समूह स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं जो क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र, (आर–फैक) द्वारा प्रशिक्षित की गई हैं अथवा स्वयं सहायता ग्रुप समूह द्वारा रजिस्टर्ड है। गरीब, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाएं, जिन्हें इस परियोजना के माध्यम से रोजगार और व्यापार का अवसर दिया जाएगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाएं जो अपने उत्पादों को बेचना चाहती हैं।

बताया कि चाय वाला फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे इस कार्य में अब तक 650 महिलाओं को सीधे या परोक्ष रूप से रोजगार के मुख्यधारा से जोड़ा जा चुका है। इन महिलाओं को विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में काम करने का अवसर प्रदान किया गया है, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने और समाज में अपने योगदान को बढ़ाने का मौका मिला है। यह फाउंडेशन महिलाओं के सशक्तिकरण और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

## सात व आठ दिसंबर को होगी पीसीएस प्री की परीक्षा

आरओ एआरओ प्री की परीक्षा 22 व 23 दिसंबर को

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सम्मिलित राज्यप्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा– 2024 और समीक्षा अधिकारी (आरओ)ध्सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) (प्रारंभिक) परीक्षा–2023 की तिथि घोषित कर दी है। दोनों परीक्षा दो दिवसों में कराई जाएंगी। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा सात और आठ दिसंबर को दो पालियों में होगी, वहीं आरओ–एआरओ प्रारंभिक परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को तीन पालियों में आयोजित होगी। केंद्र निर्धारण के कड़े मानकों के अनुरूप केंद्र नहीं मिलने के कारण आयोग ने परीक्षा एकाधिक पालियों में कराने का निर्णय लिया गया है। साथ ही आयोग ने नॉर्मलाइजेशन भी लागू करते हुए परसेंटाइल का फार्मूला भी जारी कर दिया है।पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा उत्तर प्रदेश के 41 जनपदों में सात व आठ दिसंबर को दो सत्रों में आयोजित होगी। प्रथम सत्र सुबह 9रू30 से 11रू30 बजे तक व द्वितीय सत्र दोपहर 2रू30 से 4रू30 बजे तक होगा। वहीं, आरओध्आरओ प्रारंभिक परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को तय कर दी गई है। इस परीक्षा में अभ्यर्थियों की संख्या 10 लाख से अधिक है, इसलिए इसे तीन पालियों में विभाजित किया गया है। 22 दिसंबर को प्रथम पाली सुबह 9रू00 से 12रू00 बजे तक व द्वितीय पाली दोपहर 2रू30 से 5रू30 बजे तक होगी। 23 दिसंबर को तृतीय पाली सुबह 9रू00 से 12रू00 बजे तक चलेगी।

उपसचिव धर्मेंद्र कुमार त्रिपाठी के अनुसार, शासनादेश के तहत एक पाली में अधिकतम पांच लाख अभ्यर्थियों को शामिल किया जा सकता है। इससे अधिक परीक्षार्थियों के लिए एक से अधिक पाली का प्रावधान रखा गया है। इसके साथ ही आयोग द्वारा उच्च–स्तरीय समिति की सिफारिशें लागू करते हुए परीक्षाओं के मूल्यांकन में परिवर्तन पर मुहर लगा दी है।

## श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण के साधु महंतों का प्रयागराज प्रवेश पर हुआ भव्य स्वागत

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तराखंड कनखल हरिद्वार से चलकर प्रयागराज आगमन पर श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्माण के भ्रमण शील साधु महंतों की मंडली का मुट्ठीगंज स्थित श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण की शाखा के प्रांगण में गोलघर व्यापार मंडल के व्यापारियों एवं सम्मानित नागरिकों के द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। सभी साधु महंतों का चरण वंदन किया गया अखाड़े के सचिव महंत जगतार मुनि ने बताया कि अखाड़ा के मुखिया महंत भगत राम, मुखिया महंत जखीरा प्रबंधक महंत आकाश मुनि, अध्यक्ष महंत धूनी दास, महंत नारायण दास (दिल्ली), महंत भगवान दास (अलीगढ़ ) एवं पंजाब के साधु संतों का आगमन हुआ है। जो 2025 महाकुंभ के के अंतर्गत अखाड़े के द्वारा होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी करेंगे और मां गंगा से राष्ट्र समाज एवं भारतीय सनातन संस्कृति की कल्याण की कामना करेंगे।स्वागत करने वालों में महंत जगतार मुनी, उमेश चंद्र केसरवानी दादा, सुशील चंद्र बच्चा नेता, संतोष अग्रहरि, राजेश केसरवानी, रवि केसरवानी, छोटका बड़का, दिलीप केसरवानी एवं मुट्ठीगंज के व्यापारी गण रहे।

# वीरगाथा 4.0 में उत्तर प्रदेश ने देश में सर्वाधिक नामांकन कर रचा इतिहास

लखनऊ(आरएनएस)। वीरगाथा 4.0 प्रोजेक्ट में उत्तर प्रदेश ने देशभर में सर्वोच्च स्थान हासिल कर अपनी उत्कृष्टता साबित की है। निदेशक माध्यमिक शिक्षा, डॉ. महेंद्र देव ने बताया कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश ने 45,24,559 नामांकन कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। पिछले वर्ष वीरगाथा 3.0 प्रोजेक्ट में प्रदेश का नामांकन 39 लाख था, जो इस बार 6,24,559 की वृद्धि के साथ बढ़कर 45,24,559 तक पहुंचा। यह अभूतपूर्व वृद्धि प्रदेश की स्कूली शिक्षा और छात्रों की सक्रिय भागीदारी का प्रमाण है।

वीरगाथा प्रोजेक्ट रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का एक संयुक्त कार्यक्रम है, जिसे वर्ष 2021 मेंके अंतर्गत शुरू किया गया था। इस परियोजना का उद्देश्य स्कूली छात्रों के बीच वीरता पुरस्कार विजेताओं और सशस्त्र बलों के कर्मियों के बहादुरी के कार्यों और उनकी प्रेरणादायक कहानियों को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों से रचनात्मक गतिविधियों जैसे कविताएं, निबंध, कहानियां, पेंटिंग्स और वीडियो आदि में भागीदारी के लिए ऑनलाइन नामांकन आमंत्रित किए जाते हैं। वर्ष 2024–25 में वीरगाथा 4.0 प्रोजेक्ट के तहत 16 सितंबर से 31 अक्टूबर तक स्कूली छात्रों के ऑनलाइन नामांकन आमंत्रित किए गए थे। इस दौरान उत्तर प्रदेश ने अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से दिल्ली और बिहार जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिल्ली ने 18,08,556 नामांकन के साथ द्वितीय स्थान और बिहार ने 13,91,187 नामांकन के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। उत्तर

प्रदेश ने दिल्ली से 27,16,003 और बिहार से कर यह उपलब्धि हासिल की।

# महाकुम्भ 2025 आपात स्थितियों से निपटने को भीष्म क्यूब की तैनाती

## बेहद मजबूत और मात्र 12 मिनट में बनकर हो जाता है तैयार सर्जिकल, डायग्नोस्टिक टूल्स और रोगी की देखभाल से संबंधित सभी सुविधाएं मौजूद

प्रयागराज(आरएनएस)। महाकुम्भ–2025 में आपात स्थितियों से निपटने के लिए योगी सरकार ने व्यापक तैयारी की है। महाकुम्भ में पहली बार भीष्म क्यूब की तैनाती की जा रही है, जो अत्याधुनिक तकनीक से युक्त क्रांतिकारी मोबाइल अस्पताल है। गौरतलब है कि 22 जनवरी 2024 में अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान भी भीष्म क्यूब की तैनाती की गई थी। संयुक्त निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य, प्रयागराज डॉ. वी.के. मिश्रा ने बताया कि एक भीष्म (बैटलफील्ड हेल्थ इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर मेडिकल सर्विसेज) क्यूब 200 लोगों का एक साथ उपचार कर सकता है। भीष्म क्यूब में सर्जिकल सुविधाएं, डायग्नोस्टिक टूल्स और रोगी के देखभाल से संबंधित सभी सुविधाएं मौजूद हैं। ये बेहद मजबूत, वॉटरप्रूफ और हल्के हैं। इससे तुरंत इलाज की सुविधा शुरू की जा सकती है। यह चिकित्सा सेवाओं के प्रभावी समन्वय, वास्तविक समय में निगरानी और कुशल प्रबंधन को सुगम बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डाटा एनालिटिक्स को एकीकृत करता है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि भीष्म क्यूब की पूरी यूनिट को आसानी से हाथ, साइकिल या ड्रोन द्वारा भी ले जाया जा सकता है। इस चलते–फिरते अस्पताल की खासियत यह है कि इसे आपातकालीन परिस्थितियों में विमान से एयरड्रॉप किया जा सकता है। भीष्म क्यूब 12 मिनट के भीतर तैनात होने की क्षमता रखता है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि इन पोर्टेबल हॉस्पिटल क्यूब्स का विकास और परीक्षण भारतीय वायुसेना, भारतीय स्वास्थ्य सेवा संस्थानों और डिफेंस टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ने मिल कर किया है। गौरतलब है कि इसी साल अगस्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी यूक्रेन यात्रा के दौरान राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को भीष्म क्यूब की यूनिट्स भेंट स्वरूप दी थीं।

## स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया करेली में अस्पताल और ओटी सील

प्रयागराज (आरएनएस)। सीएमओ डॉ. आशु पांडेय के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मंगलवार को करेली स्थित कई अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की। मोहम्मद सैफ अली की शिकायत पर एसीएमओ पंजीकरण डॉ. आरसी पांडेय के नेतृत्व में टीम ने सबसे पहले हयात अस्पताल का निरीक्षण किया। इस अस्पताल का पंजीकरण नहीं था लेकिन प्रसव के लिए महिलाओं को भर्ती किया गया था। जांच के बाद अधिकारियों ने अस्पताल को सील कर दिया। इस क्रम में बगैर पंजीकरण के ही संचालित अनुराधा ओमेन सेंटर की ओटी, पैथोलॉजी और डॉक्टरों के कक्ष को सील कर दिया। साथ ही करेली के फातिमा मेमोरियल अस्पताल में बिना कुशल डॉक्टरों के आठ मरीजों को भर्ती करने और बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण का समुचित प्रबंधन न करने के कारण नोटिस जारी किया। टीम ने संचालक को चेतावनी दी कि यदि नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो अस्पताल को सील कर दिया जाएगा। टीम में प्रशासनिक अधिकारी राकेश जायसवाल और जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी पंकज पांडेय शामिल रहे।

# जनपद स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 09 नवंबर को

## इच्छुक कलाकार वैज्ञानिक 07 नवंबर तक करा सकते है अपना पंजीकरण

प्रयागराज(आरएनएस)। युवा कल्याण विभाग एवं नेहरू युवा केन्द्र प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वाधान में जनपद स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 09 नवंबर, को प्रातः 10.00 बजे से स्थानीय यूनाईटेड इंजीनियरिंग कालेज नैनी के आडिटोरियम में आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर युवा कल्याण विभाग की लोकगीत समूह, लोकगीत एकल एवं लोकनृत्य एकल तथा नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा यंग राइटर्स कान्टैस्ट, यंग आर्टिस्ट कान्टैस्ट, फोटोग्राफी कान्टैस्ट एवं वर्कशाप, डिक्लेमेशन, डिस्ट्रक्ट कल्चरज फेस्ट (समूह) का आयोजन कराया जायेगा। थीमैटिक प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत साइंस मेला (समूह एवं एकल श्रेणी) का आयोजन कामन प्लेटफार्म (युवा कल्याण एवं नेहरू युवा केन्द्र) पर किया जायेगा। प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियोंध्कलाकारों एवं युवा वैज्ञानिकों की आयु दिनांक 12 जनवरी, 2025 को 15 से 29 वर्ष के मध्य होने की अनिवार्यता होगी। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ने बताया है कि इच्छुक कलाकार व वैज्ञानिक 07 नवंबर तक अपना पंजीकरण जिला युवा अधिकारी, नेहरू युवा केन्द्र के मो.न. 9415437352 पर सम्पर्क कर करा सकते हैं अथवा कार्यालय अवधि में विकास भवन के तृतीय तल पर स्थित युवा कल्याण विभाग में भी कस सकते हैं।

# सुरक्षित महाकुंभ रेलवे स्टेशनों पर लगेंगे एफआर कैमरे

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य के साथ सुरक्षित महाकुंभ बनाने का लक्ष्य डबल इंजन सरकार ने रखा है। इसे मद्देनजर रखते हुए न केवल मेला क्षेत्र बल्कि प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। महाकुंभ में लगभग 10 करोड़ लोगों का ट्रेन से आने का अनुमान है। इसे लेकर रेलवे सुरक्षा और व्यवस्था के सारे इंतजाम कर रही है। प्रयागराज रेल मण्डल द्वारा महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के लिए पहली बार सीसीटीवी कैमरों के साथ एफआर कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। एफआर कैमरे एआई की मदद से संदिग्ध गतिविधियों और अराजकतत्वों पर नजर रखने में कारगर हैं।प्रयागराज रेल मण्डल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए महाकुंभ को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए प्रयागराज रेल मण्डल सुरक्षा के सारे इंतजामों के साथ एआई बेस्ड एफआर कैमरे भी लगा रहा है। फेस रिकगनीशन या एफआर कैमरे एआई तकनीक की मदद से फेस रिकगनीशन में सक्षम होते हैं। ये आसनी से संदिग्धों को भीड़ में भी पहचान कर तलाश लेते हैं। जिससे भीड़ में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों या भगदड़ जैसी स्थिति को बनने से पहले काबू किया जा सकता है। एफ आर कैमरे किसी भी असमान्य घटना को आसानी से पकड़ सकते हैं, उन पर तत्काल प्रतिक्रिया कर दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

## 100 एफ आर कैमरों से रखी जाएगी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज रेल मण्डल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा के लिए लगभग 650 सीसीटीवी कैमरों के साथ पहली बार 100 एफआर कैमरे भी लगाए जाएंगे। प्रयागराज शहर में आने वाले सभी 9 रेलवे स्टेशनों के आने जाने के मार्गों, आश्रय स्थल, प्लेटफार्मों को भी कैमरों की नजर में रखा जाएगा। रेलवे स्टेशनों पर ये सुरक्षा के सभी उपाय दिसंबर के अंत लगा दिए जाएंगे। महाकुंभ की शुरुआत से पहले जनवरी में ये सभी उपकरण कार्य करने लगेंगे।

## 30 नवंबर तक पूरा करें एफओबी और आरओबी- डीआरएम लखनऊ

प्रयागराज (आरएनएस)। महाकुम्भ को लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रयाग और फाफामऊ रेलवे स्टेशन का विस्तार किया जा रहा है। प्रयाग और फाफामऊ स्टेशन की नई इमारत से लेकर एफओबी और आरओबी का काम जारी है। इन कार्यों का निरीक्षण करने मंगलवार को लखनऊ मंडल के डीआरएम एसएम शर्मा पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले फाफामऊ स्टेशन का निरीक्षण किया।डीआरएम ने फाफामऊ स्टेशन परिसर में बन रहे दोनों प्रवेश द्वार, नये स्टेशन भवन, फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य, होल्डिंग एरिया को देखा। इसके बाद आरओबी के निर्माण कार्य को देखा। कार्यदायी संस्था के अफसरों को निर्देश दिया कि 30 नवंबर तक काम पूरा कर लें। इसके बाद डीआरएम प्रयाग स्टेशन पहुंचे। यहां भी उन्होंने निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। शाम को मेलाधिकारी के कार्यालय में जाकर मिले। यातायात नियंत्रण समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। डीआरएम ने प्रयाग स्टेशन अधीक्षक संजय कुमार समेत अन्य अफसरों के साथ बैठक कर प्रगति जानी। इससे पूर्व सीआरबी ने प्रयाग व फाफामऊ समेत सभी स्टेशनों का निरीक्षण किया था।

# फर्जी विवाह प्रमाण पत्र बनाने वाले दो गिरफ्तार

प्रयागराज (आरएनएस)। आर्य समाज के नाम पर फर्जी विवाह प्रमाण बनाने वाले रैकेट के दो सदस्य सोमवार को पुलिस के हत्थे चढ़ गए। हाईकोर्ट के पास हनुमान मंदिर के सामने गली में फोटो स्टेट की दुकान में वर्षों से ये धंधा चल रहा था। कैंट पुलिस की छापामारी में आर्य समाज के नाम पर फर्जी विवाह प्रमाण पत्र के तीन प्रारूप, तीन कंप्यूटर, दो प्रिंटर व अन्य उपकरण बरामद हुए हैं। हालांकि गिरोह का सरगना दुकान मालिक फरार है।आज पुलिस लाइन में मंगलवार को डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि हाईकोर्ट में हाल ही में शिवानी व श्रीकांत यादव सहित पांच जोड़ों ने प्रेम विवाह का दावा करते हुए याचिका दाखिल कर सुरक्षा की मांग की थी। इसमें आर्य समाज मंदिर के नाम का विवाह प्रमाण पत्र भी संलग्न किया गया था। हाईकोर्ट के निर्देश पर जब विवाह प्रमाण पत्रों की जांच की गई, तो वे फर्जी निकले। इस पर कैंट थाने में मुकदमा पंजीकृत किया गया।कैंट थाने में कुल सात के अलावा कौंधियारा व हंडिया थाने में एक–एक मामला दर्ज है। पूरे मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की गई। इसी बीच सोमवार को मुखबिर की सूचना पर कैंट थाने की पुलिस और एसओजी नगर व यमुनानगर की संयुक्त टीम ने हाईकोर्ट के पास हनुमान मंदिर के सामने गली में अजय फोटो स्टेट नाम की दुकान पर छापामारी की। छापा में तीन फर्जी प्रमाण पत्र सहित तीन कंप्यूटर में भी कई फर्जी प्रमाण पत्र की प्रतियां मिलीं। पुलिस ने मौके से शेषमणि दुबे उर्फ राजा निवासी शोभनाथ गली पुराना कटरा और अनिल कुमार प्रजापति निवासी आनंदपुरम कसारी मसारी को गिरफ्तार किया। हालांकि दुकान का मालिक अजय चौरसिया फरार है। उनकी सरगर्मी से तलाश जारी है।

## प्रयागराज जंक्शन से अगवा हुआ दो साल का मासूम फतेहपुर में मिला

प्रयागराज (आरएनएस)। प्रयागराज जंक्शन से दृष्टिहीन महिला के गोद से गायब हुए दो वर्षीय बेटे को जीआरपी और आरपीएफ ने मंगलवार को फतेहपुर से बरामद कर लिया। उसकी तलाश में पुलिस को जंक्शन और रोडवेज पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से बड़ी मदद मिली। प्राप्त जानकारी के अनुसार मिर्जापुर निवासी धर्मेन्द्र गुप्ता की दृष्टिहीन पत्नी अपने दो साल के बेटे रियल गुप्ता को लेकर जंक्शन पर एफओबी नंबर एक पर सो रही थी। इस दौरान उनका बेटा कहीं गायब हो गया। जीआरपी ने मुकदमा दर्ज किया। आरपीएफ इंस्पेक्टर शिव कुमार सिंह और जीआरपी इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि एक ई–रिक्शा चालक मासूम को लेकर निकला है। फुटेज की मदद से पुलिस ई–रिक्शा चालक का पीछा करते हुए बस अड्डे पहुंची। पकड़ में आये ई–रिक्शा चालक ने बताया कि बस अड्डे पर एक आदमी को उसने बच्चा दे दिया था। फुटेज से पता चला कि वह आदमी मासूम को लेकर बस से कानपुर की ओर निकला है। बस टिकट से पता चला कि वह फतेहपुर में उतर गया। पुलिस कई दिनों से वहां पर डेरा डाले थी। इस बीच त्रिलोचनपुर, थाना खागा, जिला–फतेहपुर के ग्राम प्रधान ने पुलिस को सूचना दी कि एक विक्षिप्त युवक के पास मासूम है। पुलिस ने वहां से मासूम रियल को बरामद कर लिया। ग्रामीणों से पता चला कि मासूम वहां पर लावारिस हालत में मिला था।

# निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराज हुए प्रमुख सचिव

## प्रमुख सचिव ने महाकुम्भ-2025 के दृष्टिगत कराये जा रहे कार्यों के प्रगति की विस्तार से की समीक्षा

प्रयागराज (आरएनएस)। प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग अमृत अभिजात ने मंगलवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में महाकुम्भ–2025 के दृष्टिगत कराये जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को महाकुम्भ–2025 के दृष्टिगत कराये जा रहे कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयसीमा 30 नवम्बर तक पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। साथ ही साथ उन्होंने कराये जा रहे कार्यों की थर्ड पार्टी व अन्य जांच एजेंसियों से नियमित अंतराल पर जांच कराते रहने के निर्देश दिए है। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। जांच में यदि किसी कार्य की गुणवत्ता में कोई कमी पायी गयी, तो सम्बंधित विभाग के अधिकारी ही पूर्ण रूप से इसके लिए उत्तरदायी होंगे। बैठक में कुम्भ मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द ने महाकुम्भ–2025 के दृष्टिगत कराये जा रहे प्रत्येक विभाग से सम्बंधित कार्यों की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रमुख सचिव ने कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों से पर्ट चार्ट के अनुसार पीछे चल रहे उनके क्रिटिकल प्रोजेक्टों के कार्य को समय से पूर्ण कराये जाने हेतु कांट्रैक्टर पूलिंग, अतिरिक्त मैनपॉवर लगाने, कार्य के शिफ्ट व मैटेरियल आपूर्ति को बढ़ाकर दिन–रात कार्य कराते हुए निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराये जाने के लिए निर्देशित किया है।इस अवसर पर मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, अपर पुलिस आयुक्त एन0 कोलांची, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़, पीडीए उपाध्यक्ष डॉ0 अमित पाल शर्मा, नगर आयुक्त चन्द्रमोहन गर्ग, मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, विशेष कार्याधिकारी कुम्भ मेला आकांक्षा राणा सहित अन्य सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## फर्जी विवाह प्रमाण पत्र बनाने वाले दो गिरफ्तार

प्रयागराज (आरएनएस)। आर्य समाज के नाम पर फर्जी विवाह प्रमाण बनाने वाले रैकेट के दो सदस्य सोमवार को पुलिस के हत्थे चढ़ गए। हाईकोर्ट के पास हनुमान मंदिर के सामने गली में फोटो स्टेट की दुकान में वर्षों से ये धंधा चल रहा था। कैंट पुलिस की छापामारी में आर्य समाज के नाम पर फर्जी विवाह प्रमाण पत्र के तीन प्रारूप, तीन कंप्यूटर, दो प्रिंटर व अन्य उपकरण बरामद हुए हैं। हालांकि गिरोह का सरगना दुकान मालिक फरार है।आज पुलिस लाइन में मंगलवार को डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि हाईकोर्ट में हाल ही में शिवानी व श्रीकांत यादव सहित पांच जोड़ों ने प्रेम विवाह का दावा करते हुए याचिका दाखिल कर सुरक्षा की मांग की थी। इसमें आर्य समाज मंदिर के नाम का विवाह प्रमाण पत्र भी संलग्न किया गया था। हाईकोर्ट के निर्देश पर जब विवाह प्रमाण पत्रों की जांच की गई, तो वे फर्जी निकले। इस पर कैंट थाने में मुकदमा पंजीकृत किया गया।कैंट थाने में कुल सात के अलावा कौंधियारा व हंडिया थाने में एक–एक मामला दर्ज है।

## विशाल मार्च निकालकर चरित्र निर्माण की पुरजोर अपील की सी.एम.एस. छात्रों ने, सी.एम.एस. के मेधावियों का हुआ भव्य सम्मान

लखनऊ, 5 नवम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल द्वारा 'मेधावी छात्र सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन आज सी.एम.एस. गोमती नगर एक्सटेंशन कैम्पस ऑडिटोरियम में किया गया। मुख्य अतिथि डा. प्रदीप कुमार, संयुक्त निदेशक, शिक्षा, ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत् उद्घाटन किया। इस भव्य समारोह में आई. एस.सी. (कक्षा–12) की द्वितीय इण्टर–कैम्पस कम्परेटिव परीक्षा में

94.63 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप करने वाली सी.एम.एस. राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस की छात्रा आरुषी सिंह चौहान को खास तौर पर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डा. प्रदीप कुमार ने कहा कि शैक्षिक उत्कृष्टता के साथ ही व्यक्तित्व विकास की भी अनिवार्य आवश्यकता है। मुझे खुशी है कि सी.एम.एस. अपने छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के साथ ही टोटल क्वालिटी परसन बना रहा है। सी. एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने कहा कि नेशनल एजूकेशन पालिसी–2020 के अस्तित्व में आने के बाद शैक्षणिक परिदृष्य पर काफी सकारात्मक बदलाव हुए हैं।

इससे पहले, सी.एम.एस. की सुपीरियर प्रिन्सिपल एवं क्वालिटी एजुकेशन एवं इनोवेशन विभाग की हेड सुश्री सुष्मिता घोष ने मुख्य अतिथि समेत अन्य गणमान्य अतिथियों, मेधावी छात्रों व शिक्षकों का हार्दिक स्वागत करते हुए विद्यालय की वर्ष भर की उपलब्धियों को रेखांकित कियसी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका डा. भारती गाँधी ने विद्यालय के मेधावी छात्रों व शिक्षकों को आशीर्वाद दिया सी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका डा. भारती गाँधी एवं सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन की अगुवाई की निकाले गये इस विशाल मार्च में सी.एम.एस. के सभी कैम्पस की प्रधानाचार्याओं के साथ ही शिक्षा, समाज, साहित्य व पत्रकारिता जगत की प्रख्यात हस्तियों ने शामिल होकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया एवं भावी पीढ़ी में चारित्रिक उत्कृष्टता का अलख जगाया।

## श्री कृष्ण जन्म स्थान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

मथुरारूश्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर का केस लड़ रहे दिनेश शर्मा फलाहारी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष की तरफ से एडवोकेट सत्यवीर सिंह, एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने बहस की और मुस्लिम पक्ष की तरफ से एडवोकेट तस्लीम अहमदी ने बहस की मुस्लिम पक्ष की तरफ से कहा गया कि इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा सभी मुकदमों को

पोषणीय मान लिया गया है, इन मुकदमों को पोषनीय नहीं करने चाहिए, मुस्लिम पक्ष की तरफ से कहा गया कि सभी मुकदमों की सुनवाई मथुरा में होनी चाहिए और मुस्लिम पक्ष की तरफ से आर्डर को रिकॉल करने की प्रार्थना की गई, मुस्लिम पक्ष चाहता है कि सभी मुकदमे अलग–अलग सुने जाएं, लेकिन हिंदू पक्ष की तरफ से एडवोकेट सतवीर सिंह ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा जो भी निर्णय दिए गए वह सबूत के आधार पर दिए गए हैं और माननीय न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद में कहा कि हिंदू पक्ष अपना जवाब लिखित में दाखिल करें। श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के हिंदू पक्षकार दिनेश शर्मा फलाहारी का कहना है कि मुस्लिम पक्ष के पास में कोई भी प्राचीन साक्ष्य नहीं है जिससे वह यह साबित कर सके यंहा मस्जिद पहले बनी थी, मुस्लिम पक्ष केवल और केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसलों को चुनौती देने का काम करता है, मुस्लिम पक्ष को मान जाना चाहिए कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जो भी निर्णय दिए हैं,वह प्राचीन सबूत के आधार पर दिए हैं।यदि मुस्लिम पक्ष के पास में कोई प्राचीन साक्ष्य है तो जमा करें, उन्होंने कहा हमने मुस्लिम पक्ष शिकायत की थी बिजली विभाग में तो बिजली चोरी पकड़ी गई,मुस्लिम पक्ष पर 3 लाख का जुर्माना हुआ था, आज भी मुस्लिम पक्ष ईदगाह में बिजली जनरेटर के द्वारा जला रहा है। दिनेश शर्मा का कहना है कि हिंदू पक्ष के पास जितने भी प्राचीन साक्ष्य थे वह न्यायालय में जमा कर दिए और न्यायालय ने सबूतों के आधार पर ऐतिहासिक निर्णय दिया था।उनको न्यायालय पर विश्वास है।हिंदू पक्ष के दिनेश शर्मा का कहना है कि न्यायालय द्वारा जो भी फैसला दिया जाएगा वह सर्वमान्य होगा, उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष को भी न्यायालय पर भरोसा करना चाहिए।इस मौके पर न्यास के संरक्षक जगतगुरु ज्ञान सागर महाराज, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक,प्रशांत शर्मा, महानगर अध्यक्ष नरेश ठाकुर, महामंत्री गिरिराज वाल्मीकि, राहुल गौतम,कन्हैयालाल कौशिक आदि मौजूद रहे।

# नगर आयुक्त ने स्वयं भ्रमण कर संपूर्ण परिक्रमा मार्ग की जानी हकीकत

## निरीक्षण के दौरान पायी गयी कमियों को समयान्तर्गत दुरुस्त कराये जाने हेतु सम्बन्धित को किया

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)

मथुरा–वृन्दावन नगर निगम के विकास में किसी भी प्रकार से कोई कोताही नही बरती जाए इसके लिए नगर आयुक्त शशांक चौधरी स्वयं निगम से जुडे कार्यो और व्यवस्थाओ की जमीनी हकीकत जानकर उस पर रूप रेखा तैयार कर अपने अधीनस्थों को निगम से जुड़ी व्यवस्थाओ को सुगम और बेहतर बनाने के लिए अधीनस्थों को सख्ती से जुट जाने के लिए निर्देशित करते है उसी के क्रम में आगामी पर्व अक्षय नवमी ,देवउठनी एकादशी एवं छठ पूजा को दृष्टिगत रखते हुये को संपूर्ण परिक्रमा मार्ग, कंस किला तथा गऊ घाट का बाइक के माध्यम से व पैदल भ्रमण कर क्षेत्रीय पार्षदगणों एवं अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पायी गयी कमियों को समयान्तर्गत दुरुस्त कराये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। परिक्रमा मार्ग में अन्धकार वाले क्षेत्र में अस्थायी प्रकाश व्यवस्था कराये जाने हेतु महाप्रबन्धक (जल)ध्प्रभारी प्रकाश को निर्देशित किया गया। किसी भी स्तर से कोई भी कमी पायी जाती है, तो जिम्मेदारी तय कर कार्यवाही की जायेगी। परिक्रमा मार्ग में श्रद्धालुओं की सुविधार्थ जगह–जगह मेडिकल कैम्प लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। परिक्रमा मार्ग पर लगातार सफाई रहे इसके लिये अपर नगर आयुक्त को निर्देशित किया गया। परिक्रमा मार्ग में कही भी डलाब घर पर कूड़ा न पाया जाये एवं लगातार कूड़ा उठवाने हेतु कूड़ा कलेक्शन गाड़ियों का संचालन कराये जाने हेतु निर्देश दिये। मार्गो की पेच मरमत हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया इसके अतिरिक्त परिक्रमार्थियों के सुविधा हेतु दिशा सूचक लगाए जाने हेतु निर्देशित किया गया।निरीक्षण के दौरान पार्षद विजय दिवाकर, मुन्ना मलिक, राकेश भाटिया, धर्मेश तिवारी, मुनेश दीक्षित, हेमन्त खंदोली, नीरज वशिष्ठ, संतोष पाठक एवं अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार , सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी, अनवर ख्वाजा महाप्रबन्धक जलकलध प्रभारी प्रकाश, अमरेन्द्र गौतम प्रभारी मुख्य अभियन्ता, शंषाक सहायक अभियन्ता सिविल, अजय कुमार अवर अभियन्ता (जल), शैलेष अवर अभियन्ता (वि0ध्यां0) आदि अधिकारीगण उपस्थित रहें।

## श्रील प्रभुपाद जी के तिरोभाव दिवस पर श्रील प्रभुपाद महत्वपूर्ण सिद्धान्तों पर चर्चा

लखनऊ । श्रील प्रभुपाद जी के तिरोभाव दिवस पर मन्दिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभु जी ने श्रील प्रभुपाद जी के तीन महत्वपूर्ण सिद्धान्तों पर चर्चा की, जो निम्नवत हैरू–1– प्रचार ही सार2– शुद्धता ही शक्ति 3– पुस्तकें ही आधारके साथ–२ श्रील प्रभुपाद जी के जीवन सफर के विषय में बताया।

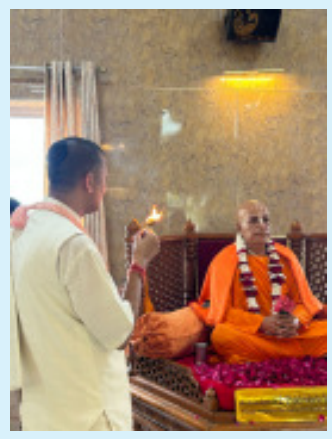

इनका नाम ष्अभयचरण डेष् था और इनका जन्म कलकत्ता में बंगाली कायस्थ परिवार में हुआ था । सन् १९२२ में कलकत्ता में अपने गुरुदेव श्री भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर से मिलने के बाद उन्होंने श्रीमद्भग्वद्गीता पर टिप्पणी लिखी, गौड़ीय मठ के कार्य में सहयोग दिया तथा १९४४ में बिना किसी की सहायता के एक अंगरेजी पत्रिका आरंभ की "जिसका संपादन, टंकण और परिशोधन (यानि प्रूफ रीडिंग) का काम स्वयं संभाला।

सन् १९४७ में गौड़ीय वैष्णव समाज ने इन्हें भक्तिवेदान्त की उपाधि से सम्मानित किया, क्योंकि इन्होने सहज भक्ति के द्वारा वेदान्त को सरलता से हृदयंगम करने का एक परंपरागत मार्ग पुनः प्रतिस्थापित किया।सन् १९५९ में सन्यास ग्रहण के बाद उन्होंने वृंदावन में श्रीमद भागवत पुराण का अनेक खंडों में अंग्रेजी में अनुवाद किया। सन् १९६५ में अपने गुरुदेव के अनुष्ठान को संपन्न करने ७० वर्ष की आयु में बिना धन या किसी सहायता के अमेरिका जाने के लिए निकले जहाँ सन् १९६६ में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ की स्थापना की।सन् १९६८ में प्रयोग के तौर पर वर्जीनिया (अमेरिका) की पहाड़ियों में नव–वृन्दावन की स्थापना की। सन १९७२ में टेक्सस के डैलस में गुरुकुल की स्थापना कर प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा की वैदिक प्रणाली का सूत्रपात किया।सन १९६६ से १९७७ तक उन्होंने विश्वभर का १४ बार भ्रमण किया तथा अनेक विद्वानों से कृष्णभक्ति के विषय में वार्तालाप करके समझाया कि कृष्णभावना ही जीव की वास्तविक भावना है। उन्होंने विश्व की सबसे बड़ी आध्यात्मिक पुस्तकों की प्रकाशन संस्था– भक्तिवेदांत बुक ट्रस्ट की स्थापना के साथ–साथ कृष्णभावना के वैज्ञानिक आधार को स्थापित करने के लिए उन्होंने भक्तिवेदांत इंस्टिट्यूट की भी स्थापना की।

## रोजा चीनी मिल में पेराई सत्र २०२४-२५ का भाजापा सांसद अरुण सागर ने किया शुभारंभ

### पेराई सत्र का पूजन कर सांसद ने किसानों को सम्मानित कर शुभकामनाएं दी

नगर विधानसभा में स्थित अवध शुगर एंड एनर्जी लिमिटेड यूनिट रोजा शुगर वकर्स में

पेराई सत्र 2024–25 का शुभारंभ को लेकर एक कार्यक्रम किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि भाजपा सांसद अरुण सागर ने पहुंचकर गन्ना पेराई सत्र का पूजन कर सभी को शुभकामनाएं दी। इस दौरान चीनी मिल के अधिकारियों और पार्टी के पदाधिकारियों ने मूल माला पहनाकर सांसद का स्वागत किया। पूजन के बाद सांसद ने मिल में आए किसानों को सम्मानित कर उनको शुभकामनाएं दी। इस दौरान ददरौल विधानसभा से भाजपा विधायक अरविंद सिंह समेत तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा सांसद अरूण सागर ने कहा कि गन्ना पेराई सत्र शुरू हो गया है। इससे किसानों को अपार लाभ होगा। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने पेराई सत्र 2024–25 के लिए गन्ने की सट्टा एवं आपूर्ति नीति जारी कर दी है। गन्ना किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा गया है। वित्तीय वर्ष के लिए जारी गन्ने के सट्टा एवं आपूर्ति नीति में गन्ना किसानों को रियायत और सहूलियत देने की कोशिश की गई है। गन्ना काश्तकारों के गन्ना उपज का भुगतान ऑनलाइन व आरटीजीएस के माध्यम से 14 दिन के भीतर चीनी मिलों की तरफ से निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों की सुविधा को देखते हुए पर्ची में निर्धारित वजन से 15 प्रतिशत तक की अतिरिक्त छूट तौल को दी गई है। यूके केन एप के जरिये किसानों को मिलेगी सभी जानकारी गन्ना किसानों को लाभ देने के मकसद से इस बार विशेष यूके केन एप लांच किया गया है। जिसको प्ले स्टोर से लिया जा सकता है। इसके जरिये गन्ना किसानों को अपने कोटे, गन्ना पर्चियों के निर्गत होने की तिथि व भुगतान की जानकारी मिल सकेगी। किसानों का उत्पीड़न न हो। इसके लिए गन्ना किसानों को शिकायतों के निवारण होगा कंट्रोल रूम स्थापित गन्ना किसानों को सत्र में किसी दिक्कत का सामना न करना पड़े इसका खास ध्यान रखा गया है।

खाटू श्याम मंदिर लखनऊ के संस्थापक अध्यक्ष स्व. सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल (समोस) की पुण्य स्मृति में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें रिकॉर्ड रक्तदान हुआ व शिविर में महिलाओं की सहभागिता बहुतायत देखने को मिली युवाओं ने भी रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया, शिविर के संयोजक मनीष अग्रवाल मानू ने बताया कि वह स्वयं हर तीन माह में नियमित रक्तदान करते हैं व आज के शिविर में मनीष अग्रवाल ने अपना 67 वाँ रक्तदान किया, शिविर के सह संयोजक अतुल अग्रवाल ने बताया कि नियमित रक्तदान से रक्त देने वाले को भी बहुत लाभदायक होता है, खाटू श्याम मंदिर के महामंत्री रुपेश अग्रवाल ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान की एक यूनिट से 4 लोगों की जान बचाई जा सकती है, रक्तदान शिविर के संयोजक मनीष अग्रवाल ने बताया कि रक्त की जरूरत पड़ने वाले लोगों की खाटू श्याम मंदिर लखनऊ के माध्यम से बिना किसी भेदभाव के निरंतर सेवा की जाती है व रक्त उपलब्धा करवाया जाता है मन्दिर के कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने बताया कि श्याम मंदिर लखनऊ द्वारा निरंतर रक्तदान शिविर का आयोजन करवाता रहता है। आज के शिविर में रक्तकोष सहयोगी राम मनोहर लोहिया अस्पताल रहा।

शिविर में लखनऊ उत्तर विधानसभा के विधायक डॉक्टर नीरज बोरा , पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, ऋषि कपूर आदि लोग शामिल रहे।

## ठकुराइन पोखरे का निरीक्षण करती चेयरमैन व ईओ तथा सभासद

गोसाईगंज–अयोध्या(आरएनएस)। लोक आस्था का महापर्व डाला छठ का आगाज मंगलवार को नहाय खाय से हो गया।प्रदेश के हर जनपदों में इसकी तैयारियां श्रद्धालुओं द्वारा पूर्ण हो गयी है। छठ का पर्व कार्तिक मास शुक्लपक्ष की चतुर्थी तिथि को नहाय खाय से शुरू होता है। पंचमी को खरना,षष्ठी को अस्तांचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य देना व सप्तमी को उगते सूर्य को जल अर्पित कर सम्पन्न होता है।चार दिवसीय इस पर्व में भगवान सूर्य व छठी मइया की पूजा होती है।यह व्रत बेहद कठिन माना जाता है,क्योकि व्रती महिलाओं को 36घण्टे तक कठिन नियमो का पालन करना पड़ता है।इस बार छठ पूजा5नवम्बर शुक्रवार से शुरू हो रहा है,जिसका समापन8नवम्बर को होगा।बिहार में यह पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है,परन्तु अब उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यो में भी इसकी धूम रहती है।यह व्रत सन्तान के सुखी जीवन की कामना के लिए किया जाता है।छठ पर्व षष्ठी तिथि से दो दिन पूर्व चतुर्थी से नहाय खाय से शुरू होता है,इसका समापन सप्तमी को पारण करके होता है।चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व मे सूर्यदेव को अर्घ्य देने का सबसे बड़ा महत्व माना गया है। रामनगरी अयोध्या सहित गोसाईगंज कस्बे में भी धूमधाम से मनाया जा रहा है। गोसाईगंज कस्बे में महादेवा घाट व ठकुराइन के पोखरे पर महिलाएं अर्घ्य देती है,जंहा भारी भीड़ होती है।इस दौरान आतिशबाजी भी की जाती है। छठ पूजा का पहला दिन नहाय खाय से जानी जाती है।इस दिन व्रती महिलाएं नदी में स्नान के बाद नए वस्त्र धारण करती है।उसके बाद शाकाहारी भोजन करती है।व्रती महिलाओं के भोजन के बाद ही परिवार के अन्य लोग भोजन करते है। खरना छठ पूजा का दूसरा दिन होता है।खरना के दिन व्रती महिलाएं मीठा भोजन करती है।इस दिन गुड़ से बनी खीर खाई जाती है,जिसे मिट्टी के नए चूल्हे पर आम की लकड़ी की आग जलाकर बनाया जाता है।जिसे चढा जाता है और इस प्रसाद को खाने के बाद व्रत शुरू हो जाता है।इस दिन नमक नही खाया जाता है।इस दिन से पूरे 36 घण्टे व्रती महिलाए निराजल रहती है। छठ पूजा का तीसरा दिन बहुत ही महत्त्वपूर्ण होता है।यह दिन संध्या अर्घ्य दिन का होता है।इस दिन व्रती महिलाएं डूबते सूर्य को अर्घ्य देती है। इस दिन फलों, ठेकुआ,चावल के लड्डू,अदरक,मौसमी सब्जी आदि चीजो से सूप को सजाया जाता है।इसके बाद नदी या तालाब में कमर तक जल में खड़े होकर अस्तांचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

## प्रेमिका से मिलने आए युवक को संदिग्ध अवस्था मै पुलिस नें पकड़ा

शाहजहांपुर के निगोही क्षेत्र में प्रेमिका से मिलने आए युवक और उसके साथी को संदिग्ध अवस्था में देखकर पुलिस ने पकड़ लिया। वह और उसका साथी खोखे के पीछे छिपे थे। पूछताछ में युवक ने आया कि प्रेमिका के परिवार के जागने के चलते वह खोखे के पीछे छिप गया था। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया है। पीलीभीत के थाना बरखेड़ा क्षेत्र का शादीशुदा युवक निगोही में ताजिया देखने आया था। मेले में उसकी मुलाकात किशोरी से हुई। दोनों ने एक–दूसरे के मोबाइल नंबर ले लिए। बातचीत शुरू हो गई। युवक ने मिलने की इच्छा जताई तो किशोरी ने रविवार को उसे घर पर आने के लिए कह दिया। युवक अपने तहेरे भाई के साथ मिलने के लिए लगभग 50 किमी दूर उसके गांव में पहुंच गया। रात दस बजे उसने कॉल की तो किशोरी ने परिवारवालों के जागने की बात बताई।

## नहाय-खाय के साथ शुरू होगी छठ पूजा

शाहजहाँपुर संवाददाता। नहाय खाय के साथ मंगलवार को छठ महापर्व शुरू हो जाएगा। शाम को नहाय–खाय की परंपरा निभाई जाएगी। व्रती महिलाएं चने की दाल, लौकी और भात प्रसाद में ग्रहण करेंगी। दूसरे दिन छह नवंबर को खरना होगा। इस दिन गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण किया जाएगा। इसी के साथ लगातार 36 घंटे का निर्जला व्रत प्रारंभ होगा। छठ महापर्व धूमधाम से मनाने के लिए घरों में भी तैयारियों का दौर चल रहा है। जिले में रहने वाले पूर्वांचल के करीब 15000 हजार लोगों द्वारा इस पर्व को मनाया जाता है। महापर्व को लेकर नदी घाटों पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराया जा रहा है। यहां सात और आठ नवंबर को मेला लगेगा। नगर निगम व प्रशासन की ओर से घाटों के समतलीकरण व साफ–सफाई का कार्य कराया गया है। नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र ने निरीक्षण कर दिशा निर्देश भी दिए हैं। इस मौके पर मुख्य अभियंता सिविल एसके अम्बेडकर, अधिशासी अभियंता आशीष त्रिवेदी, पूर्वांचल महासभा सेवा समिति के अध्यक्ष सतीश चंद्र मिश्र आदि मौजूद रहे।

## सरैठा गांव की रामलीला में विभिन्न प्रसंगो का हुआ सजीव चित्रण

रुदौली(आरएनएस)। रुदौली के पटरंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत सरैठा ग्रामसभा में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य रामलीला कार्यक्रम का आयोजन चल रहा है जिसमें कल तृतीय दिवस की लीला में रावण अत्याचार, पृथ्वी व्यथा व राम जन्म की सुंदर प्रस्तुति की गई जिसमें संचालक व डायरेक्टर दीपक सिंह ने रावण, ललित कसौधन भगवान राम, संदीप गुप्ता लक्ष्मण, सुरेश गुप्ता राजा दशरथ तथा शेर बहादुर सिंह ऋषि विश्वामित्र के किरदार में नजर आए। लीला की खासियत समस्त राम लीला कलाकारों द्वारा संवादकीय धुन पर आयोजित एवं प्रस्तुत की जाती है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 06 नवंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com


# संपादकीय

## भारत की आर्थिक बदहाली

असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढ़ती ही जाएगी। भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता इतनी कमजोर क्यों है कि हर व्यापार मुकाबले में वह पिट जाती है? देश सही दिमागी हालत में हो तो इस सवाल से उसकी नींद उड़ जानी चाहिए। बहुपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों से भारत को नुकसान की आशंका से ग्रस्त नरेंद्र मोदी सरकार ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक पार्टनरशिप (आरसीईपी) करार से अंतिम मौके पर खुद को अलग कर लिया था। तब हौव्वा बनाया गया कि ऐसा समझौते में शामिल अन्य देशों के रास्ते चीन की उत्पादों डंपिंग से बचने के लिए किया गया। उसके बाद मोदी सरकार ने द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों का रास्ता अपनाया। यूएई, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन आदि से ऐसे करार हुए। ब्रिटेन सहित कई देशों से द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत चल रही थी। मगर अब अचानक सरकार ने ऐसी सभी वार्ताओं पर विराम लगाने का फैसला किया है।

वजह हाल के वर्षों में हुए सभी ऐसे समझौतों से भारत को हो रहे बड़े व्यापार घाटे को बताया गया है। साथ ही सरकार ने 2010 में आसियान से हुए करार का भी जिक्र किया है, जिसकी वजह से भारत को लगातार व्यापार घाटा हुआ है। कहा जाता है कि उसके परिणामस्वरूप कई भारतीय कारोबार तबाह हो गए। मोदी सरकार ने आसियान से कई बार इस समझौते पर पुनर्विचार को कहा है, जिसे उसे स्वीकार नहीं किया है। इस बीच यूएई से हुए बहुचर्चित करार के बारे में सामने आया है कि इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में वहां से आयात 52 फीसदी बढ़ा, जबकि निर्यात में सिर्फ 11.45 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

इसके अतिरिक्त एक नई चिंता यह पैदा हुई है कि इन समझौतों के कारण भारतीय निवेशकों को वहां जाकर निवेश करने के अवसर मिले हैं, जिसका वे खूब लाभ उठा रहे हैं। जबकि भारत को खुद बड़े निवेश की आवश्यकता है। यानी नुकसान ही नुकसान! तो अब खुशफहमियों से निकलने की जरूरत है। असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढ़ती ही जाएगी।

## आतंकवाद वर्तमान विश्व की एक बड़ी समस्या

एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए।

मिथक हिंदूभगवा आतंकवाद्य सिद्धांत कितनी बड़ी साजिश थी, उसका फिर खुलासा पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे के एक दावे से हो जाता है। एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए।

यह किसी से छिपा नहीं है कि कांग्रेस में पार्टी का अर्थ गांधी परिवार (सोनिया–राहुल–प्रियंका) है। यह चिंतन उस मानसिकता की उपज है, जिसमें इस्लामी आतंकवाद को प्रत्यक्ष–परोक्ष रूप से जायज ठहराने के लिए हिंदू आतंकवाद्य रूपी छलावा खड़ा किया गया था। इस साजिश में वामपंथियों और कट्टरपंथी मुस्लिमों के साथ कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी शामिल था।

शिंदे के हालिया कबूलनामे से वह कड़वा सच भी एकाएक ध्यान में आता है कि ज्ञान–विज्ञान और पराक्रम जैसे गुणों से सुशोभित होते हुए भी भारत मध्यकाल में लगभग 600 वर्षों तक मुस्लिम और फिर 200 सालों तक अंग्रेजों के अधीन क्यों हो गया था। इतिहास साक्षी है कि यदि व्यक्तिगत खुन्नस के कारण जयचंद, पृथ्वीराज चौहान को धोखा नहीं देता, तो विदेशी आक्रांता मुहम्मद गौरी नहीं जीतता। इसी तरह यदि शाह वलीउल्लाह मराठाओं के खिलाफ अफगान अब्दाली को भारत नहीं बुलाता और प्लासी की लड़ाई में मीर जाफर यदि सिराजुद्दौला को न छलता, तो भारत में अंग्रेजी साम्राज्य संभवतरू स्थापित ही नहीं होता। कांग्रेस नीत यूपीए (वर्तमान आईएनडीआईए) कार्यकाल में उसी काले इतिहास को दोहराया गया था।

व्यक्तिगत, राजनीतिक और वैचारिक विरोध के चलते हिंदूभगवा आतंकवाद्य शब्दावली की रचना कर दुनिया में भारत, हिंदू समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा और अन्य संगठनों को कलंकित करने का जाल बुना गया। इसकी जड़े 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध (12) बम धमाके में मिलती है, जिसमें 257 निरपराध मारे गए थे। तब महाराष्ट्र के तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री शरद पवार ने आतंकियों की मजहबी पहचान और उद्देश्य से ध्यान भटकाने हेतु झूठ गढ़ दिया कि 13वांय धमाका मस्जिद के पास हुआ था। यह प्रत्यक्ष–परोक्ष रूप से हिंदुओं को आतंकवाद से जोडने का प्रयास था। इसी चिंतन को यूपीए–काल (2004–14) में राहुल गांधी के साथ पी।चिदंबरम और सुशील कुमार शिंदे ने बतौर केंद्रीय गृहमंत्री आगे बढ़ाया था।हद तो तब हो गई, जब कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने वर्ष 2008 के भीषण मुंबई 26ध्11 आतंकवादी हमले के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हाथ बता दिया। यहां तक, दिग्विजय ने इसी हमले में जिहादियों की गोलियों के शिकार हुए मुंबई आतंक निरोधक दस्ते के तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे की मौत को हिंदूवादी संगठनों से जोडने का प्रयास किया था। इस संबंध में तब पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा हाथों में पवित्र कलावाध्मौली को आधार बनाकर कई समाचारपत्रों में आलेख तक प्रकाशित हुए थे। सोचिए, यदि आतंकी कसाब और डेविड हेडली (दाऊद सैयद गिलानी) के जीवित नहीं पकड़े जाते, तो क्या होता?वास्तव में, यह हिंसा–घृणा के पीडिघ्तों को अपराधीय और दोषियों को मासूम्य बताने की सेकुलरवादीय (लेफ्ट–लिबरलय सहित) साजिश है। 14 फरवरी 1998 को कोयंबटूर में श्रंखलाबद्ध 12 बम धमाकों हुए थे, जिसमें 58 बेकसूरों की मौत हो गई। आतंकवादियों का मुख्य निशाना भाजपा के शीर्ष नेता लालकृष्ण आडवाणी थे, जिन्हें तब चुनाव प्रचार के हेतु कोयंबटूर आना था। परंतु विमान परिचालन में देरी से उनकी जान बच गई। तब कांग्रेस के तत्कालीन शीर्ष नेतृत्व ने न केवल इन बम धमाकों का आरोप संघ पर लगा दिया, बल्कि यहां तक कह दियाकृ अगर बम भाजपा के अलावा किसी और ने लगाया होता, तो ऐसा करने वाले ने निश्चित रूप से आडवाणी को मार देते। इसी मामले में अदालत द्वारा सैयद अहमद बाशा, फखरुद्दीन, इमाम अली आदि दोषी ठहराए गए थे।प्रधानमंत्री मोदी के दानवीकरण हेतु इस कुनबे ने फरवरी 2019 के भीषण पुलवामा आतंकवादी हमले, जिसमें 40 सुरक्षाबलों का बलिदान हुआ था। उसे भाजपा द्वारा प्रायोजितय बताने का प्रयास किया था।

# जम्मू–कश्मीर विधानसभा में गिलानी को श्रद्धांजलि देने वाले विधायकों को शर्म आनी चाहिए

हम आपको याद दिला दें कि पाकिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता और जम्मू–कश्मीर में करीब तीन दशकों तक अलगाववादी मुहिम का नेतृत्व करने वाला सैयद अली शाह गिलानी जब मरा था तो पाकिस्तान गम में डूब गया था लेकिन कश्मीर में किसी ने भी जरा–सा भी दुख नहीं जताया था। कट्टरपंथी अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी जिसने जम्मू–कश्मीर को वर्षों तक आतंकवाद और अलगाववाद के घेरे में जकड़े रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पाकिस्तानी शह पर काम करने वाले जिस गिलानी ने कश्मीर के युवाओं के हाथों में पत्थर पकड़ा कर उनका भविष्य बर्बाद किया। जिस अलगाववादी गिलानी ने कश्मीर में बंद के कैलेंडर जारी करवाये। जिस कट्टरपंथी गिलानी ने भारत के राष्ट्रीय ध्वज और भारतीय संविधान के विरुद्ध नारे लगवाये, जिस पाकिस्तान प्रेमी गिलानी ने कश्मीर को विकास और शांति से दशकों तक दूर रखने में अहम भूमिका निभाई, उसी को जम्मू–कश्मीर विधानसभा में श्रद्धांजलि दिया जाना बेहद चौंकाने वाला घटनाक्रम है। यह सही है कि वह जम्मू–कश्मीर विधानसभा का सदस्य रहा है। कोई भी सदन अपने सदस्य या पूर्व सदस्य के निधन पर उसे श्रद्धांजलि देता ही है लेकिन ऐसा करते समय देश के साथ खड़े रहने वालों और देश का विरोध करने वालों के बीच का अंतर तो देखा ही जाना चाहिए। गिलानी की वजह से हमारे कई सुरक्षा बलों को शहादत देनी पड़ी थी, निर्दोषों को जान गंवानी पड़ी थी इसलिए ऐसे व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने वाले विधायकों को शर्म आनी चाहिए। हम आपको याद दिला दें कि पाकिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता और जम्मू–कश्मीर में करीब तीन दशकों तक अलगाववादी मुहिम का नेतृत्व करने वाला सैयद अली शाह गिलानी जब मरा था तो पाकिस्तान गम में डूब गया था लेकिन कश्मीर में किसी ने भी जरा–सा भी दुख नहीं जताया था। पाकिस्तान इस बात से बहुत निराश हुआ था कि उसके हाथों में खेलने वाला और उसके एक इशारे पर कश्मीर में सभी गतिविधियों को ठप करवा देने वाला गिलानी इस दुनिया से चला गया लेकिन गिलानी की मौत के बाद कश्मीर में ना तो कोई प्रतिक्रिया हुई थी ना ही उसकी बरसी पर उसे कोई याद करता है। इसलिए सवाल उठता है कि जम्मू–कश्मीर विधानसभा में ऐसे देशविरोधी शख्स को श्रद्धांजलि क्यों दी गयी? हम आपको याद दिला दें कि गिलानी की एक सितंबर, 2021 को मौत हो गई थी। गिलानी की मौत के साथ ही कश्मीर में भारत–विरोधी और अलगाववादी राजनीति के एक अध्याय का अंत हो गया था। गिलानी के परिचय की बात करें तो आपको बता दें कि उसका जन्म 29 सितंबर 1929 को बांदीपुरा जिले के एक गांव में हुआ था। उसने लाहौर के 'ओरिएंटल कॉलेज' से अपनी पढ़ाई पूरी की। 'जमात–ए–इस्लामी' का हिस्सा बनने से पहले उसने कुछ वर्ष तक एक शिक्षक के तौर पर

नौकरी भी की। कश्मीर में अलगाववादी नेतृत्व का एक मजूबत स्तंभ माने जाने वाला गिलानी भूतपूर्व राज्य में सोपोर निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार विधायक रहा। उसने 1972, 1977 और 1987 में विधानसभा चुनाव जीता हालांकि, 1990 में कश्मीर में आतंकवाद बढ़ने के बाद वह चुनाव–विरोधी अभियान का अगुवा हो गया था। वह हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के संस्थापक सदस्यों में से एक था, जो 26 पार्टियों का अलगाववादी गठबंधन था। लेकिन बाद में उन नरमपंथियों ने इस गठबंधन से नाता तोड़ लिया था, जिन्होंने कश्मीर समस्या के समाधान के लिए केन्द्र के साथ बातचीत की वकालत की थी। इसके बाद 2003 में गिलानी ने तहरीक–ए–हुर्रियत का गठन किया। हालांकि, 2020 में गिलानी ने हुर्रियत की राजनीति को पूरी तरह अलविदा कहने का फैसला किया और कहा था कि 2019 में अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को खत्म करने के केंद्र के फैसले के बाद दूसरे स्तर के नेतृत्व का प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा। जहां तक गिलानी से जुड़े विवादों की बात है तो वह एक नहीं कई थे। भारत विरोधी गतिविधियों के लिए कुख्यात गिलानी का पासपोर्ट 1981 में जब्त कर लिया गया था और फिर पासपोर्ट केवल एक बार 2006 में हज यात्रा के लिए लौटाया गया था। गिलानी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय, पुलिस और आयकर विभाग में कई मामले लंबित थे। गिलानी कश्मीर को बंद रखने वाले कैलेंडर निकालने के लिए जाना जाता था।

वह घोषित करता था कि कब–कब कश्मीर घाटी बंद रहेगी लेकिन अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद से गिलानी की भारत विरोधी गतिविधियों पर अंकुश लग गया था। हम आपको यह भी याद दिला दें कि पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने गिलानी के निधन पर अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के जरिए शोक व्यक्त करते हुए ऐलान किया था कि "पाकिस्तान का ध्वज आधा झुका रहेगा और हम एक दिन का आधिकारिक शोक मनाएंगे। बहरहाल, देखा जाये तो पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'निशान–ए–पाकिस्तान' से सम्मानित किया जा चुका गिलानी भारत में किसी तरह के सम्मान का हकदार नहीं है इसलिए उन विधायकों से सवाल पूछा जाना चाहिए जिन्होंने विधानसभा में गिलानी का गुणगान किया। सवाल पूछा जाना चाहिए कि गिलानी का महिमामंडन कर वह युवा पीढ़ी को क्या संदेश देना चाहते हैं? क्या गिलानी को सराह रहे विधायक उसकी अलगाववादी नीतियों, बंद के आयोजनों और सुरक्षा बलों पर पत्थर फिंकवाने की राजनीति का समर्थन करते हैं? कश्मीर बड़ी मुश्किल से शांत हुआ है। कश्मीर में दशकों बाद विकास की बयार बह रही है।

जनता ने विधायकों को इसलिए चुना है कि वह विकास की रफ्तार को तेज करवायें और उनकी समस्याओं का समाधान करें लेकिन यदि विधायक अलगाववादियों का महिमामंडन करेंगे तो इस क्षेत्र के पुराने दौर में जाने का खतरा बढ़ जायेगा।

# कनाडा में हिंदुओं पर लक्षित हमलों का जवाब आखिर देगा कौन, पूछ रहे हैं लोग

कनाडा में जिस तरह से हिंदू विरोधी साजिश हुई, मंदिर पर हमला हुआ, स्थानीय पुलिस की चुप्पी और महज खानापूर्ति सामने आई है, उससे वहां की भारत विरोधी ट्रूडो सरकार एक बार फिर से सवालों के घेरे में आ चुकी है। लीजिए, कनाडा भी अब पाकिस्तान और बांग्लादेश की राह पर चल पड़ा है। वहां के हिन्दू मंदिर पर भी खालिस्तानियों ने हमला किया है। दुनिया के कई इस्लामिक और ईसाई मुल्कों में ऐसी घटनाएं घटती रहती हैं। खुद भारत के भी कई राज्यों में ऐसी शर्मनाक घटनाएं पर्व–त्यौहारों पर सामने आती रहती हैं। इसलिए यक्ष प्रश्न है कि हिंदुओं पर लक्षित हमलों का जवाब आखिर कौन देगा, क्योंकि भारत सरकार, भारतीय संसद और भारतीय सुप्रीम कोर्ट धर्मनिरपेक्ष हैं! कड़वा सच तो यह है कि इन सबकी धर्मनिरपेक्षता हिन्दू विरोधी और अल्पसंख्यक समर्थक है। यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ, बल्कि इनके एक्शन से गाहे बगाहे साबित होता आया है। लोग इस बारे में अक्सर पूछते रहते हैं, लेकिन उच्चस्तरीय आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा से लैस ये लोग जबतक जगेंगे, तबतक बहुत देर हो चुकी होगी। वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवन्तु सुखिनः का यह मतलब कतई नहीं होता कि दुनिया भर में हिन्दू पिटते रहें और हमलोग तमाशबीन बनकर बैठे रहें। आपको पता होना चाहिए कि हिन्दू देवी–देवता शस्त्र और शास्त्र से लैस रहते हैं, जिसका सीधा संदेश है कि जब बात तर्क और तथ्य से नहीं सुधरे तो शस्त्र उठाना ही पड़ता है। कहा भी जाता है कि जब जब धर्म की हानि होती है और असुर–अभिमानी बढ़ जाते हैं, तब तब ईश्वर अवतार लेते हैं और दुष्टों का दलन करके सज्जनों की पीड़ा हरते हैं। आज समकालीन दुनिया में जिस–तरह से सत्ता संरक्षित हिंसा–प्रतिहिंसा हो रही है, उसकी समाप्ति भी भारत वर्ष से ही शुरू होगी। लेकिन जो लोग धर्मनिरपेक्ष हैं, वो ऐसा कतई नहीं करेंगे। कहा जाता है कि भारत के धर्मनिरपेक्ष लोग वो महात्मा गांधी हैं, जो एक गाल पर थप्पड़ पड़ते ही दूसरा भी हाजिर कर देने के आदि बन चुके हैं। इसलिए रीढ़ विहीन मुल्क भी भारत को आंख दिखाते रहते हैं। इनके अनुगामियों ने भी पाकिस्तान, बांग्लादेश से लेकर कनाडा तक में हुए हिन्दू उत्पीड़न के मामले में वही किया। कहीं खामोशी की गहरी चादर, तो कहीं बयानबाजियों की खानापूर्ति। फलतः कभी अमेरिका में भारतीयों को निशाना बनाया गया, तो कभी ब्रिटेन में हमला किया गया और अब कनाडा में किसी भारतीय दूतावास पर या उसके सामने नहीं, बल्कि हिन्दू मंदिर पर एकत्रित लोगों पर हमला हुआ है। चूंकि ईसाई भी मुसलमानों के ही वंशज हैं, इसलिए उनके मुल्क में खालिस्तानी समर्थकों की करतूतों के पीछे पाक कनेक्शन ही होगा, पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई का ही कोई नया कुचक्र होगा, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। पंजाब का खालिस्तान आंदोलन यदि कनाडा में जिंदा है तो इसके पीछे अंतर्राष्ट्रीय साजिश से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। आप मानें या न माने, लेकिन भारत के खिलाफ भी अब उसी तरह के राजनैतिक षड्यंत्र किये जाने लगे हैं, जैसा कि अबतक अमेरिका, रूस और चीन के खिलाफ किए जाते थे। हालांकि, भारत और हिंदुओं को उनकी धर्मनिरपेक्ष सोच की मार ज्यादा पड़ रही है, जिसे हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय ने हम पर जबरिया थोप रखा है। यही वजह है कि हिंदुत्व की रक्षा और विस्तार के लिए हमारे पास वह रणनीति नहीं है, जो कि ईसाई या इस्लाम हुकूमत वाले देशों के पास उनके धर्म के विस्तार के लिए है! सभी हिंदुओं के लिए यह विचारणीय प्रश्न है। कनाडा में जिस तरह से हिंदू विरोधी साजिश हुई, मंदिर पर हमला हुआ, स्थानीय पुलिस की चुप्पी और महज खानापूर्ति सामने आई है, उससे वहां की भारत विरोधी ट्रूडो सरकार एक बार फिर से सवालों के घेरे में आ चुकी है। जिस तरह से कनाडा के ब्रैम्पटन में खालिस्तान समर्थकों ने एक हिंदू मंदिर पर हमला किया और वहाँ चल रहे भारतीय कांसुलर कैंप को बाधित करने का प्रयास किया, वह निंदनीय है। भले ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना की निंदा की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, वह नाकाफी है। भले ही कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी इस घटना को अस्वीकार्य बताया हो, लेकिन उनकी मिलीभगत से इंकार नहीं किया जा सकता है। हाल के दिनों की भारतीय–कनाडाई टीका–टिप्पणी भी इसी बात की चुगली करती है। खालिस्तानी समर्थकों के हमले के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इससे भारत और कनाडा के बीच तनानती बढ़ती ही जा रही है। पीएम मोदी ने कहा है कि– मैं कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने के कायरतापूर्ण प्रयास भी उतने ही निंदनीय हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पाएंगे। हम उम्मीद करते हैं कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून का राज कायम करेगी। बता दें कि हाल के महीनों में पीएम मोदी का यह बयान दूसरा उदाहरण है, जब उन्होंने भारत के बाहर हिंदुओं पर कथित हमलों का मुद्दा उठाया है।

इस साल अगस्त में, उन्होंने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के समक्ष पड़ोसी देश में सत्ता परिवर्तन के बाद हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने का मुद्दा उठाया था। वहीं, भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर चिंता जताई है और कनाडा सरकार से सभी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि ष्हम ओंटारियो के ब्रैम्पटन शहर में रविवार को हिंदू सभा मंदिर में कट्टरपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की घटनाओं की निंदा करते हैं। हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से बचाया जाए।

# राहुल मनुस्मृति के बारे गांधी के विचारों को नहीं पढ़ा

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों झारखंड की राजधानी रांची में संविधान के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में देश में कथित तौर पर चल रहे वैचारिक संघर्ष को प्रतीकित करने वाली दो बातें कहीं। पहली, मनुस्मृति संविधान विरोधी हैय्। यह एकदम बेतुकी बात है क्योंकि दो विचारों को एक दूसरे का विरोधी तभी कहा जा सकता है, जब वे समकालीन हों और एक साथ चलन में हों।

दूसरी, मनुस्मृति और संविधान के बीच दशकों से संघर्ष चल रहा हैय्। सवाल है कि क्या सचमुच इस तरह का कोई वैचारिक संघर्ष धरातल पर चल रहा है? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जब देश 75 साल से संविधान के आधार पर चल रहा है, जिसमें से 55 साल के करीब कांग्रेस सत्ता में रही है और उसमें भी 38 साल राहुल गांधी के परनाना, दादी और पिता ही प्रधानमंत्री रहे तो अब मनस्मृति से देश चलने की बात कहां से आ गई?

इस सदी में 10 साल कांग्रेस का शासन था और तब राहुल गांधी भी सांसद थे क्या तब भी मनुस्मृति और संविधान में संघर्ष चल रहा था? अगर चल रहा था तो राहुल गांधी या कांग्रेस के किसी भी नेता ने 10 साल में एक बार भी इसका जिक्र क्यों नहीं किया और अब अचानक राहुल गांधी इसे लेकर क्यों इतने मुखर हो गए हैं? जाहिर है राहुल गांधी को न तो मनुस्मृति से कोई मतलब है और न संविधान से। उनको सत्ता की राजनीति से मतलब है। होना भी चाहिए क्योंकि वे कोई संत, महात्मा या दार्शनिक तो हैं नहीं। वे नेता हैं और नेता की ही तरह काम करते हैं।

लेकिन सत्ता हासिल करने की बेचैनी में वे जो बातें कह रहे हैं उनसे देश और समाज का कोई भला नहीं हो रहा है। संविधान और कानून के शासन वाले देश में वे जबरदस्ती मनुस्मृति की बात करके सामाजिक विभाजन बढ़ाने का खतरनाक प्रयास कर रहे हैं। वास्तविकता यह है कि इस देश में मनुस्मृति कोई नहीं पढ़ता है। खुद राहुल गांधी ने भी उसका एक भी पन्ना नहीं पढ़ा होगा। उनको पता भी नहीं होगा कि मनुस्मृति के कितने संस्करण मौजूद हैं और उनमें से कोई भी असली नहीं है।

वे शायद यह भी नहीं जानते होंगे कि सोशल मीडिया में मनुस्मृति के नाम से जितनी बातें वायरल होती हैं उनमें से ज्यादातर बातें उस ग्रंथ में नहीं लिखी हैं। मनुस्मृति के की जो बातें सोशल मीडिया में प्रचारित होती हैं उनका असली मकसद सामाजिक विद्वेष बढ़ाना और राजनीतिक लाभ लेना होता है। वह देश में एक नया नैरेटिव सेट करने का टूलकिट है, जिसके पीछे बड़ा खेल हो सकता है। जरूरी नहीं है कि जिस हैंडल या अकाउंट से इसे प्रचारित किया जाता है उसके पीछे कोई पिछड़ा, दलित या कोई प्रगतिशील चेहरा हो। लेकिन वह अलग बहस और चिंता का विषय है।

अभी इस सवाल पर विचार करने की जरुरत है कि क्या सचमुच इस देश में मनुस्मृति और संविधान को लेकर कोई संघर्ष चल रहा है? धरातल पर तो ऐसा कोई संघर्ष देखने को नहीं मिलता है। इसकी पड़ताल करने के लिए कहीं भी 10 लोगों से मनुस्मृति के बारे में पूछा जा सकता है। ज्यादातर लोगों ने इस ग्रंथ का नाम नहीं सुना होगा और सुना भी होगा तो उसके बारे में कोई जानकारी नहीं होगी। हां, यह जरूर है कि भारत में समाज के संचालन के जो नियम बने उनका एक बड़ा हिस्सा मनुस्मृति की बातों पर आधारित है।

लेकिन यह काम 10 या 20 साल पहले या सौ दो सौ साल पहले नहीं हुआ है, बल्कि हजारों साल पहले हुआ और समय के साथ उसमें बदलाव आता गया। यह भी सही है कि अंग्रेजों ने बांटो और राज करोय् की अपनी नीति के तहत इसे आधार बना कर कुछ कानून बनाए। लेकिन आजादी मिलने और संविधान लागू होने के बाद तो सारी चीजें बदल गईं। अब निजी, पारिवारिक या धार्मिक कार्यक्रमों में वेद या मनुस्मृति की कुछ बातों का पालन होता हो तो अलग बात है लेकिन सार्वजनिक जीवन में या सरकार के कामकाज में मनुस्मृति की किसी भी बात का प्रयोग नहीं होता है।

मनुस्मृति का सिर्फ इतना ही मतलब है कि इस ग्रंथ ने प्राचीन भारत के हमारे पूर्वजों को एक रास्ता दिखाया था। यह बताया था कि समाज के संचालन के लिए एक संहिता की जरुरत होती है। यह ठीक उसी तरह था, जैसे मध्य पूर्व में हम्मूराबी की संहिता बनी थी। यह वो समय था, जब समाज को संचालित या नियंत्रित करने के लिए कोई नियम या कानून नहीं थे। उस समय जो सामाजिक व्यवस्था मौजूद थी उसे देखते हुए एक संहिता बनाई गई थी, जिसे लेकर यह विवाद है कि इसे स्वंयभू मनु ने बनाई या भृगु ऋषि ने बनाई, इसे एक व्यक्ति ने लिखा या कई व्यक्तियों ने लिखा और एक बार लिखे जाने के बाद सदियों तक इसमें कुछ चीजें जोड़ी जाती रहीं।

लेकिन जिसने भी बनाई उसने अपने समय की वास्तविकताओं और जरुरतों के हिसाब से इसे बनाया, जिसका मकसद समाज में व्यवस्था बहाल करना था। एक बार संहिता बन जाने के बाद आगे आने वाली पीढियों की जिम्मेदारी थी कि वे समय की जरुरतों के हिसाब से इसमें सुधार करें या इसे पूरी तरह से खारिज करके नई संहिता बनाएं। भारत में भी तमाम सुधार और बदलाव हुए। इसके बावजूद अगर कुछ चीजें समाज में ऐसी मौजूद हैं, जिनके बीज मनुस्मृति में थे तो वह ग्रंथ लिखने वाले की नहीं, बल्कि समाज की कमी है।

सोचें, महज 75 साल पहले बने संविधान में एक सौ से ज्यादा बदलाव हो चुके हैं। बदलते हुए समय की जरुरतों के हिसाब से संविधान को बदला जाता है। लेकिन जब भी संविधान का कोई प्रावधान बदला जाता है तो क्या संविधान बनाने वालों को गालियां दी जाती हैं? उनकी लिखी कोई बात अगर समय की कसौटी पर सही नहीं उतरी तब भी वे सम्मानीय हैं क्योंकि उन्होंने अपने समय की जरुरत के हिसाब से उसे लिखा था।

इसी तर्क से मनुस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को सम्मान क्यों नहीं दिया जाना चाहिए? उन्होंने यह रास्ता दिखाया कि समाज को संचालित और नियंत्रित करने के लिए एक संहिता की जरुरत है, क्या इसके लिए वे सम्मान के पात्र नहीं हैं? इस ग्रंथ में कई बातें मानवाधिकार, स्त्री अधिकार, बाल अधिकार आदि की अवधारणा के अनुकूल नहीं हैं या विरोधाभासी हैं। लेकिन ये अवधारणाएं तो एक सदी पुरानी भी नहीं हैं। इनकी कसौटी बना कर करीब दो सहस्त्राब्दी पहले लिखे गए ग्रंथ का आकलन कैसे किया जा सकता है?

हम्मूराबी की संहिता में भी सैकड़ों ऐसी चीजें हैं, जो आधुनिक अवधारणों की कसौटी पर बहुत खराब हैं। लेकिन इस आधार पर तो हम्मूराबी संहिता लिखने वाले को गाली नहीं दी जाती है। फिर मनुस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को गाली देने का क्या मतलब है? इनके लेखकों ने दुनिया को रास्ता दिखाया है। इन दोनों ग्रंथों का मानव सभ्यता के इतिहास में वही स्थान है, जो आग और पहिए के आविष्कार का है। सोचें, हमारे पूर्वजों ने कैसे पत्थरों को आड़ा तिरछा काट कर पहला पहिया बनाया था और आज हम मिशेलिन टायर्स बना रहे हैं तो क्या हम अपने पूर्वजों को गाली देते हैं कि उन्होंने कैसा पहिया बनाया था?

आज आग जलाने के दर्जनों फैंसी तरीके उपलब्ध हैं लेकिन क्या हम पत्थरों को रगड़ कर आग पैदा करने वाले अपने पूर्वजों को गाली देते हैं? आज आंख के निर्देश पर चलने वाले फोन बन गए तो क्या हम अलेक्जेंडर ग्राहम बेल को गाली दें कि उन्होंने कैसा फोन बनाया था! लेकिन भारत ऐसे कृतघ्न लोगों का देश है, जो छोटे छोटे राजनीतिक फायदे के लिए अपने महान पूर्वजों का अपमान करने में भी नहीं हिचकता है।

मनुस्मृति को लेकर जो दुराग्रह है और उसको जिस तरह से प्रकट किया जाता है उसके पीछे विशुद्ध राजनीतिक मकसद है। असल में कांग्रेस इससे पहले कभी 10 साल तक सत्ता से बाहर नहीं रही है। सो, उसकी बेचैनी बढ़ रही है। तभी उसके नेता सत्ता के लालच में एक प्राचीन ग्रंथ को आधार बना कर सामाजिक विभाजन बढ़ा रहे हैं। जिन लोगों ने मनस्मृति का एक अक्षर नहीं पढ़ा वे इसको गालियां दे रहे हैं और इसको संविधान के बरक्स रख रहे हैं।

# इस देश में फिर जलेगी कुरान! इस्लामिक देशों में मच गया बवाल

बताया जा रहा हैकि कुरान को ऐसे वक्त में जलाने की अनुमति दी गई जब जब माल्मो शहर यूरोविजन सॉन्ग कॉन्टेस्ट के आयोजन की मेजबानी कर रहा है। 11 मई तक चलने वाली यूरोविजन में शामिल होने वाले देशों में इजरायल भी शामिल है। ऐसे में इस कार्यक्रम की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। स्वीडन में एक मस्जिद के बाहर कुरान जलाने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि वहां के अधिकारियों ने एक बार फिर मुसलमानों की इस पवित्र किताब को जलाने की अनुमति दे दी है। इस बात की जानकारी तुर्की की सरकारी समाचार एजेंसी ने दी है। अनादुलु के मुताबिक दक्षिणी स्वीडन की माल्मो पुलिस ने जीएटीएस पर होने वाले विवादास्पद विरोध प्रदर्शन के लिए परमिट जारी कर दिया है। अब देखा जाए तो कुरान जलाने की अनुमति ऐसे वक्त दी गई है जब पहले से ही स्वीडन कई मुस्लिम देशों के निशाने पर है। इस तरह की घटना ने कई मुस्लिम देशों के साथ स्टॉकहोम के संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है। माल्मो में करीब 3.50 लाख लोग रहते हैं। जिसमें करीब 50 हजार मुस्लिम आबादी है। बताया जा रहा हैकि कुरान को ऐसे वक्त में जलाने की अनुमति दी गई जब जब माल्मो शहर यूरोविजन सॉन्ग कॉन्टेस्ट के आयोजन की मेजबानी कर रहा है। 11 मई तक चलने वाली यूरोविजन में शामिल होने वाले देशों में इजरायल भी शामिल है। ऐसे में इस कार्यक्रम की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं इजरायल ने माल्मो में इजरायली लोगों और यहूदियों के लिए खतरा बताते हुए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है और बताया हैकि माम्लों शहर में अरब के प्रवासी भारी संख्या में रहते हैं। ये शहर इजरायली विरोधी शहर के रूप में जाना जाता है। आपको बता दें कि

जून 2023 में सलमान मोमिका नाम के एक शख्स के द्वारा कुरान जलाए जाने की पूरी दुनिया ने निंदा की थी। इसी साल अप्रैल के महीने में पूर्व इराकी मिलिशिया नेता सलवान मोमिका नॉर्वे में मृत पाए जाने की खबर सामने आई है। स्वतंत्र भाषण और कुरान को सार्वजनिक रूप से जलाने की वकालत करने के लिए वैश्विक प्रसिद्धि और बदनामी हासिल करने वाले मोमिका स्वीडन से नॉर्वे चले गए थे। मोमिका खुद को एक उदार नास्तिक आलोचक और विचारक बताते थे। जून 2023 में ईद पर सलवान मोमिका ने दुनिया को चौंका दिया जब उसने मुसलमानों की पवित्र पुस्तक कुरान की एक प्रति पर हमला किया और फिर उसे स्टॉकहोम की सबसे बड़ी मस्जिद के सामने जला दिया। उनके एक दोस्त ने अवज्ञा के इस कृत्य को फिलाया।

# लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी... भारत के इन हिस्सों को शामिल कर नेपाल छापेगा 100 रुपये के नोट

सरकारी प्रवक्ता रेखा शर्मा ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल श्प्रचंडश की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में नेपाल के नए मानचित्र को मुद्रित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को 100 रुपये के बैंक नोटों में शामिल किया गया है। नेपाल और भारत के बीच रोटी और बेटी का संबंध है। दोनों मुल्क के नेताओं को अगर भारत–नेपाल संबंध पर दो शब्द बोलना पड़े तो, भाषण ही इसी मुहावरे से शुरु होता है। लेकिन रोटी–बेटी के इस मुहावरे पर धीरे–धीरे ग्रहण लगता जा रहा है और भारत–नेपाल दोस्ती में दरार पड़ती नजर आ रही है। नेपाल ने शुक्रवार को एक मानचित्र के साथ 100 रुपये के नए नोट छापने की घोषणा कर दी है। इसमें लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी के विवादास्पद क्षेत्रों को दिखाया गया है। इन क्षेत्रों पर नेपाल और भारत दोनों दशकों से दावा करते रहे हैं, जिससे एक कड़वी सीमा विवाद पैदा हो गया है।

सरकारी प्रवक्ता रेखा शर्मा ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल श्प्रचंडश की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में नेपाल के नए मानचित्र को मुद्रित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को 100 रुपये के बैंक नोटों में शामिल किया गया है।नेपाल के सूचना और संचार मंत्री कैबिनेट ने कहा कि 25 अप्रैल और 2 मई को हुई कैबिनेट बैठकों के दौरान 100 रुपये के बैंक नोट को फिर से डिजाइन करने और बैंक नोट की पृष्ठभूमि में मुद्रित पुराने मानचित्र को बदलने की मंजूरी दे दी। यह नेपाल द्वारा 18 जून, 2020 को एक संशोधित मानचित्र प्रकाशित करने के बाद आया, जिसमें अपने संविधान में संशोधन करके तीन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों को शामिल किया गया था। नेपाल और भारत के बीच का सीमा विवाद नेपाल और भारत के बीच 1800 किलोमीटर की खुली सीमा है। ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाली गोरखा के बीच हुई लड़ाईयों के बाद 1816 में दोनों के बीच सुगौली सीमा संधि हुई थी। लेकिन पिछले कुछ समय से नेपाल के पश्चिमी उत्तरी सीमा बिंदु को लेकर विवाद चल रहा है। पश्चिमी की सीमा महाकाली नदी को माना गया है। नेपाल का दावा है कि पश्चिमी सीमा कालापानी है, जो 1816 के बाद नेपाल में था। 1960 के दशक में भारत चीन युद्ध के आसपास से वहां भारत का कब्जा है। इसके साथ ही लिम्पियाधुरा और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर भी नेपाल ने विवाद खड़ा किया। चीन के साथ लगते हुए इस क्षेत्र की वजह से ये एक ट्राइजक्शन प्लाइंट है, जिसका अपना एक विशेष सामरिक महत्व है। पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय सत्ता से हटाए जाने से पहले नेपाल के पहले प्रधानमंत्री मोहन शमशेर राणा ने भारत के साथ मैत्री संधि की थी। 31 जुलाई 1950 को हुई इस संधि पर मोहन शमशेर और भारतीय राजदूत चंदेश्वर प्रसाद नारायण के हस्ताक्षर हैं। नेपाल में मानना है कि हस्ताक्षरकर्ता का श्प्रोटोकॉलश ही सही नहीं है। सत्ता बचाने के लिए राणाओं ने भारत से संधि की, जो नेपाल की सार्वभौम सत्ता को कमजोर करती है।

# 40 सालों में सबसे खराब प्रदर्शन ने बढ़ाई पीएम सुनक की टेंशन, लेबर पार्टी ने कर दी आम चुनाव कराने की मांग

स्टार्मर ने कहा कि यह सीधे तौर पर ऋषि सुनक को कहा गया कि हम आपके डाउनफॉल, आपकी अराजकता और आपके विभाजन की नीतियों से तंग आ चुके हैं और हम बदलाव चाहते हैं। इंग्लैंड में स्थानीय चुनावों में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी को करारी हार का सामना करने के बाद ब्रिटेन की लेबर पार्टी ने प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से आम चुनाव कराने का आग्रह किया। टोरीज ने जिन सीटों पर चुनाव लड़ा उनमें से लगभग आधी सीटें हार गईं। इसके विपरीत, लेबर ने उन परिषदों में जीत हासिल की जो पार्टी के पास दशकों से नहीं थीं। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने कहा कि यहां ब्लैकपूल से एक तरह का संदेश सीधे प्रधानमंत्री को दिया गया है। स्टार्मर ने कहा कि

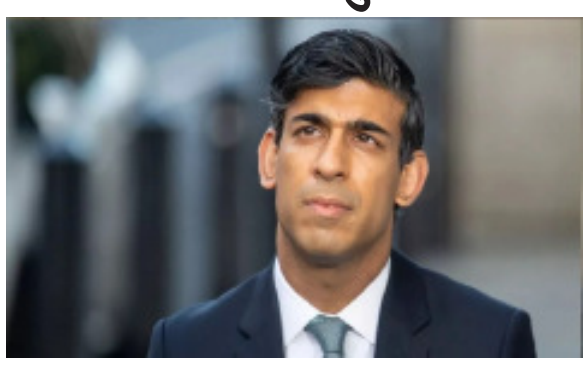

यह सीधे तौर पर ऋषि सुनक को कहा गया कि हम आपके डाउनफॉल, आपकी अराजकता और आपके विभाजन की नीतियों से तंग आ चुके हैं और हम बदलाव चाहते हैं।सुनक के पास आम चुनाव की तारीख तय करने की शक्ति है, लेकिन इसे अगले साल 28 जनवरी से पहले आयोजित किया जाना चाहिए। टीज वैली के उत्तरी क्षेत्र के मेयर के रूप में कंजर्वेटिव बेन हाउचेन के दोबारा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने एक विद्रोही रुख अपनाया। सुनक ने कहा कि आम चुनाव आते हैं, (मतदाता) भी हमारे साथ रहेंगे। कंजर्वेटिव पार्टी के अध्यक्ष रिचर्ड होल्डन ने कहा कि यह एक कठिन रात थी। राष्ट्रीय सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लेबर पार्टी 20 प्रतिशत अंक आगे है। बीबीसी के अनुसार, अगर इसे राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता में दोहराया जाता है, तो शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है कि लेबर 34 प्रतिशत वोट जीतेगी, जबकि टोरीज नौ अंकों से पीछे है। आंशिक परिणामों का उपयोग करते हुए आम चुनाव के लिए स्काई न्यूज के अनुमान से लेबर सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी लेकिन समग्र बहुमत से दूर रहेगी। सप्ताहांत में नतीजे आते रहेंगे, जिसमें लंदन में प्रमुख मेयर पद की प्रतियोगिता भी शामिल है, जहां लेबर के सादिक खान को फिर से चुने जाने की उम्मीद है। अन्यत्र, मध्यमार्गी लिबरल डेमोक्रेट और ग्रीन पार्टी ने भी लाभ कमाया, जैसा कि रिफॉर्म यूके ने किया, जो कंजर्वेटिव मतदाताओं को दाईं ओर ले जाने की कोशिश कर रहा है।

# खालिस्तानी आतंकी निज्जर को मरवाया ? कनाडा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए 3 आरोपी कौन

सहायक आयुक्त ने पुलिस द्वारा एकत्र किए गए सबूतों की प्रकृति पर टिप्पणी करने या निज्जर की हत्या के पीछे के मकसद के बारे में बोलने से इनकार कर दिया। पिछले साल वैंकूवर में निज्जर की हत्या ने भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद पैदा कर दिया था और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत सरकार पर कनाडाई नागरिक की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में कनाडा पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कनाडा की अखबार ने वहां की पुलिस के हवाले से दावा किया कि गिरफ्तार आरोपी लारेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हुए हैं। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पिछले साल जून में वेंकयूवर में की गई थी। अब इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सहायक आयुक्त डेविड टेबौल ने कहा कि इन मामलों में अलग–अलग और विशिष्ट जांच चल रही है, जो निश्चित रूप से आज गिरफ्तार

किए गए लोगों की संलिप्तता तक सीमित नहीं है और इन प्रयासों में भारत सरकार से कनेक्शन की जांच भी शामिल है। कनाडा की पुलिस ने एक ऑफिसिशयल स्टेटमेंट जारी करके दावा किया है कि हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में उसने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके नाम कमलजीत, करणप्रीत और करण बरार है। कनाडा की मीडिया वो इस तरह के दावे कर रहे हैं कि तीनों ही भारतीय मूल के रहने वाले हैं और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए काम करने वाले हैं। सहायक आयुक्त ने पुलिस द्वारा एकत्र किए गए सबूतों की प्रकृति पर टिप्पणी करने या निज्जर की हत्या के पीछे के मकसद के बारे में बोलने से इनकार कर दिया। पिछले साल वैंकूवर में निज्जर की हत्या ने भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद पैदा कर दिया था और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत सरकार पर कनाडाई नागरिक की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने 28 साल के करणप्रीत सिंह, 22 साल के कमलप्रीत सिंह और 22 साल के करण बराड़ को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तारी के समय ये सभी लोग अल्बर्टा के एडमोंटन में रह रहे थे। तीनों पर प्रथम श्रेणी की हत्या और हत्या की साजिश रचने का मामला दर्ज किया गया है। निज्जर की नकाबपोश बंदूकधारियों ने हत्या कर दी थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि गिरफ्तार किये गये तीनों लोग वही लोग हैं, जिन्होंने निज्जर को गोली मारी थी।

# भारत में चुनावों के बीच नेपाल क्यों पहुंचे CJI चंद्रचूड़, इतिहास में ऐसा हुआ पहली बार

सीजेआई ने नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर का भी दौरा किया और पूजा–अर्चना की। भारत के मुख्य न्यायाधीश और उनकी पत्नी कल्पना दास को सुरक्षाकर्मियों के साथ मंदिर से बाहर निकलते देखा गया। वह बाद में नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से बातचीत करेंगे। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नेपाल पहुंचे। वह हिमालयी राष्ट्र का दौरा करने वाले पहले सीजेआई बन गए। अपने प्रवास के दौरान वह अपने नेपाली समकक्ष से मुलाकात करेंगे और बाल अधिकारों पर एक संगोष्ठी को संबोधित करेंगे। चंद्रचूड़ को नेपाल के मुख्य न्यायाधीश बिश्वोम्भर प्रसाद श्रेष्ठ ने आमंत्रित किया था और त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनके आगमन पर नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश डॉ. आनंद मोहन भट्टराई ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सुप्रीम कोर्ट के प्रवक्ता वेद प्रसाद उप्रेती के अनुसार, यह इतिहास में पहली

बार है कि भारत के किसी मौजूदा मुख्य न्यायाधीश ने रिकॉर्ड पर नेपाल की आधिकारिक यात्रा की। सीजेआई ने नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर का भी दौरा किया और पूजा–अर्चना की। भारत के मुख्य न्यायाधीश और उनकी पत्नी कल्पना दास को सुरक्षाकर्मियों के साथ मंदिर से बाहर निकलते देखा गया। वह बाद में नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से बातचीत करेंगे। चंद्रचूड़ शनिवार को काठमांडू में केंद्रीय बाल न्याय समिति द्वारा बाल अधिकारों पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता होंगे। उप्रेती के अनुसार, सीजेआई भारत उसी शाम सीजेआई नेपाल के साथ एक मैत्रीपूर्ण बैठक करेंगे, उन्होंने कहा कि सीजे श्रेष्ठ अपने भारतीय समकक्ष के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) गिरीश चंद्र मुर्मू नेपाल में हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल, नेपाल के वित्त मंत्री बरशमन पुन और नेपाल के महालेखा परीक्षक से मुलाकात की है। मुर्मू द्वारा नेपाल के महालेखा परीक्षक तोयम राया के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के बाद आया, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों (एसएआई) के बीच लेखा परीक्षा के क्षेत्र में सहयोग और विशेषज्ञता के आदान–प्रदान को बढ़ाना है। दोनों देशों के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजित हस्ताक्षर समारोह, ऑडिटिंग प्रथाओं में घनिष्ठ संबंधों और सहयोग को बढ़ावा देने में एक मील का पत्थर है।

# फर्जी बातें बोलने पर भारत ने लगाई अमेरिका की क्लास, जयशंकर ने अच्छे से बताया कौन है

विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किया गया नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) भारत के स्वागत योग्य दृष्टिकोण को दर्शाता है। भारत हमेशा से एक बहुत अनोखा देश रहा है। मैं वास्तव में कहूंगा, दुनिया के इतिहास में यह एक ऐसा समाज रहा है जो बहुत खुला रहा है। विभिन्न समाजों से अलग–अलग लोग भारत आते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की भारत की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को श्जेनोफोबियाश का परिणाम बताने वाली हालिया टिप्पणी को खारिज कर दिया है और कहा है कि भारत विविध समाजों के लोगों के लिए खुला और स्वागत करने वाला रहा है। उन्होंने इस दावे का भी खंडन किया कि भारत की आर्थिक वृद्धि लड़खड़ा रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर प्रकाश डाला। इकोनॉमिक टाइम्स से बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किया गया नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) भारत के स्वागत योग्य दृष्टिकोण को

दर्शाता है। भारत हमेशा से एक बहुत अनोखा देश रहा है। मैं वास्तव में कहूंगा, दुनिया के इतिहास में यह एक ऐसा समाज रहा है जो बहुत खुला रहा है। विभिन्न समाजों से अलग–अलग लोग भारत आते हैं। जयशंकर ने सीएए की आलोचना को भी खारिज कर दिया और कहा कि कानून के लागू होने के बाद किसी भी व्यक्ति ने अपनी नागरिकता नहीं खोई है। उन्होंने अमेरिकी विश्वविद्यालय परिसरों में बड़े पैमाने पर फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों पर भी बात की, इसके पक्षपाती कवरेज के लिए पश्चिमी मीडिया के एक वर्ग की आलोचना करते हुए सुझाव दिया कि यह बहुत वैचारिक है और उद्देश्यपूर्ण रिपोर्टिंग नहीं है। पाकिस्तान में आतंकवादियों की लक्षित हत्याओं में भारत की संलिप्तता का दावा करने वाली रिपोर्टों पर एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि आतंकवादी वहां बड़ी संख्या में हैं। सांख्यिकीय रूप से, जहां वे बड़ी संख्या में होंगे, उनके साथ चीजें होंगी। अब उन्होंने एक संगठन बनाया है। उद्योग जो आतंकवादियों का उद्योग है। वहां चीजें हो सकती हैं। बाइडेन ने भारत के साथ साथ चीन, रूस और जापान को भी जेनोफोबिक देश बताया था। 2024 में फिर से सत्ता में आने के लिए वाशिंगटन में फंड रेसिंग प्रोग्राम में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था के बढ़ने का एक कारण आप और कई अन्य लोग हैं। क्यों? क्योंकि हम अप्रवासियों का स्वागत करते हैं। बाइडेन इस साल होने वाले अमेरिकी चुनान में राष्ट्रपति पद की रेस में रिपब्लिकन उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ मैदान में हैं। उन्होंने अक्सर अपने प्रतिद्वंद्वी की आप्रवासी विरोधी बयानबाजी के लिए आलोचना की है। ट्रम्प ने कार्यालय में चुने जाने पर अवैध आप्रवासन पर अंकुश लगाने और कानूनी प्रवासन को प्रतिबंधित करने का वादा किया है। अपने प्रचार अभियान के दौरान उन्होंने देश में हिंसा बढ़ने के लिए

# हरदीप निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा पुलिस ने 3 भारतीयों को गिरफ्तार किया, तीनों हिट स्क्वाड का हिस्सा

हरदीप सिंह निज्जर मौत से भारत और कनाडा के बीच बड़ा विवाद पैदा हो गया था। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने अब उन तीनों आरोपियों की तस्वीरें और पहचान जारी की है, जिन्हें अल्बर्टा के एडमोंटन शहर में गिरफ्तार किया गया था। ओटावा पिछले साल भारत द्वारा नामित खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के सिलसिले में शुक्रवार को कनाडा में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। हरदीप सिंह निज्जर मौत से भारत और कनाडा के बीच बड़ा विवाद पैदा हो गया था। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने अब उन तीनों आरोपियों की तस्वीरें और पहचान जारी की है, जिन्हें अल्बर्टा के एडमोंटन शहर में गिरफ्तार किया गया था।इंटीग्रेटेड होमिसाइड इन्वेस्टिगेटिव टीम (आईएचआईटी) ने तीनों की पहचान की घोषणा की – करण बराड़, 22, कमलप्रीत सिंह, 22 और करणप्रीत सिंह, 28। इन सभी पर फर्स्ट–डिग्री हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। हत्या. उन्हें अल्बर्टा आरसीएमपी, आईएचआईटी जांचकर्ताओं और ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सदस्यों की मदद से शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।तीनों आरोपियों की तस्वीरों के साथ, कनाडाई पुलिस ने उस कार की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिसके बारे में माना जा रहा है कि हत्या से पहले सरे इलाके में और उसके आसपास संदिग्धों ने इसका इस्तेमाल किया था। आरसीएमपी के सहायक आयुक्त डेविड टेबौल ने कहा। षनिज्जर की हत्या में कथित संलिप्तता के लिए तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और उन पर आरोप लगाए गए हैं... हम सबूतों की प्रकृति पर कोई टिप्पणी करने में सक्षम नहीं हैं... हालांकि, मैं कहूंगा कि यह मामला बहुत सक्रिय जांच के अधीन है।कनाडाई नागरिक निज्जर की 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर दो अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। "जांच यहीं खत्म नहीं होती है। इंटीग्रेटेड होमिसाइड इन्वेस्टिगेशन टीम (आईएचआईटी) के प्रभारी अधिकारी अधीक्षक मनदीप मुकर ने कहा, हम जानते हैं कि ऐसे अन्य लोग भी हैं जिन्होंने इस हत्याकांड में भूमिका निभाई है और हम उनमें से हर एक की पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने के लिए समर्पित हैं। इससे पहले, हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का एक कथित वीडियो फुटेज, जिसे 2020 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा आतंकवादी नामित किया गया था, ऑनलाइन सामने आया था। कनाडा स्थित सीबीसी न्यूज की

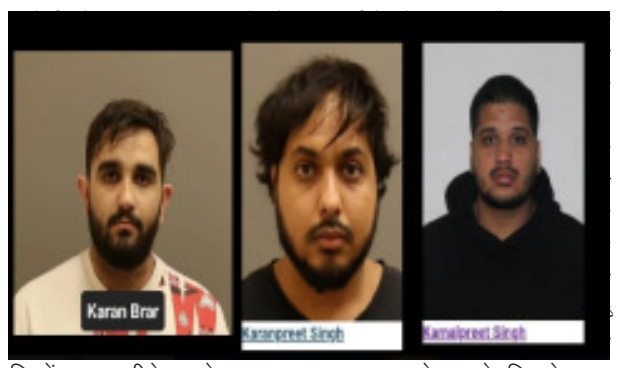


जिन्हें कुछ महीने पहले कनाडा में शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था और उन्हें कड़ी निगरानी में रखा गया है। रिपोर्टों के अनुसार, पुलिस द्वारा शुक्रवार को गिरफ्तारियों की घोषणा करने और अपनी जांच के कुछ विवरण साझा करने की उम्मीद है।पुलिस अब तक के सबसे निचले स्तर पर पिछले साल सितंबर में निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की ष्संभावितष संलिप्तता के ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आ गया था। नई दिल्ली ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए

# दलिप ट्राफी 2024 में अक्षर पटेल का कमाल का प्रदर्शन, फिफ्टी पूरी कर इंडिया डी के लिए बने संकटमोचक

इंडिया 100 रन भी नहीं बना पाएगा, लेकिन अक्षर की तेज तर्रार पारी ने स्कोरबोर्ज पर कम से कम पहली पारी में 150 से ज्यादा रन तो खड़े कर दिए। 74 गेंद पर जब अक्षर 37 रन बनाकर खेल रहे थे, उसके बाद उन्होंने छक्का, चौका और छक्का लगाकर अपना पचासा पूरा किया। 78 गेंद पर उनका स्कोर फिर 53 रन पहुंच गया। दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले राउंड में आज इंडिया सी वर्सेस इंडिया डी के बीच मैच खेला जा रहा है। अनंतपुर में खेले जा रहे इस मैच में इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला। जहां इंडिया सी के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर और इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। इंडिया डी की शुरुआत बेहद खराब रही और 48 रनों तक टीम ने 6 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद क्रीज पर आए अक्षर पटेल और उन्होंने साबित कर दिया कि क्यों उन्हें संकटमोचक कहा जाता है। अक्षर ने 118 गेंदों पर 86 रनों की पारी खेली।

एक समय तो ऐसा लगा रहा था इंडिया 100 रन भी नहीं बना पाएगा, लेकिन अक्षर की तेज तर्रार पारी ने स्कोरबोर्ज पर कम से कम पहली पारी में 150 से ज्यादा रन तो खड़े कर दिए। 74 गेंद पर जब अक्षर 37 रन बनाकर खेल रहे थे, उसके बाद उन्होंने छक्का, चौका और छक्का लगाकर अपना पचासा

पूरा किया। 78 गेंद पर उनका स्कोर फिर 53 रन पहुंच गया। अक्षर का साथ अर्शदीप सिंह ने भी निभाया, जिन्होंने 33 गेंदों पर 13 रन बनाए। अर्शदीप के अलावा श्रीकर भरत और सारांश जैन ने भी 13–14 रनों की पारियां खेलीं। अक्षर ने अपनी पारी के दौरान 118 गेंदों का सामना किया और इस दौरान उनके बल्ले से 6 चौके और इतने ही छक्के निकले। इंटरनेशनल क्रिकेट में भी अक्षर इस तरह की मुश्किल परिस्थितियों से टीम इंडिया को बाहर निकाल चुके हैं। अक्षर बैट के साथ–सात गेंद से भी कमाल करने में माहिर हैं।

# पंत की 20 महीने बाद रेड बाल क्रिकेट में वापसी, सस्ते में लौटे पवेलियन

इंडिया ए और इंडिया बी के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जा रहा है। इस मैच से ऋषभ पंत ने रेड बॉल क्रिकेट में वापसी की। पंत ने इससे पहले आखिरी बार मीरपुर में 22–25 दिसंबर 2022 तक बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। जिसके बाद वह सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए।दलीप ट्रॉफी 2024 के मुकाबले 5 सितंबर से शुरू हो गए हैं। जिसका पहला मैच इंडिया ए और इंडिया बी के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जा रहा है। इस मैच से ऋषभ पंत ने रेड बॉल क्रिकेट में वापसी की। पंत ने इससे पहले आखिरी बार मीरपुर में 22–25 दिसंबर 2022 तक बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। जिसके बाद वह सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। ऋषभ पंत की रेड बॉल क्रिकेट में वापसी सुखद नहीं रही। उन्होंने चौके से खाता तो खोला, लेकिन बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में कैच थमा बैठे। पंत 10 गेंद में 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आकाश दीप की गेंद पर पंत ने गेंद को

बाउंड्री के पार भेजने की कोशिश की, लेकिन टाइमिंग मिस कर गए और शुभमन गिल ने मिड ऑफ से अपनी बाईं तरफ पीछे की ओर दौड़ते टाइमिंग मिस कर गए और शुभमन गिल ने मिड ऑफ से अपनी बाईं तरफ पीछे की ओर दौड़ते हुए डाइव लगाकर शानदार कैच लपक लिया। नीचे दिए वीडियो में भी आप शुभमन गिल को पंत का कैच पकड़ते हुए देख सकते हैं।

# हैदराबाद मारीशस के साथ गोलरहित ड्रा से आगे बढना है लक्ष्य – मुख्य कोच मनोलो मार्क्वेज

हैदराबाद फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में मनोलो मार्क्वेज के जीवन की शुरुआत भूलने योग्य रही जब भारत ने इंटरकांटिनेंटल कप के पहले मैच में फीफा रैंकिंग में 179वें स्थान पर काबिज मॉरीशस के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ खेला। क्लीन शीट मॉरीशस के खिलाफ गतिरोध का मुख्य आकर्षण थी। हालाँकि, मुख्य कोच इस बात को लेकर सचेत थे कि सुधार केवल बटन दबाने से नहीं आता। बल्कि, यह एक लम्बा और घुमावदार सफर है।स्पेनिश कोच ने कहा, मुझे लगता है कि हमारा पहला मैच काफी उबाऊ था, लेकिन मैं खिलाडियों के रवैये की आलोचना नहीं कर सकता, जिन्होंने 100 प्रतिशत दिया। हमें केवल दो प्रशिक्षण सत्र ही मिल सके, हालांकि यह कोई बहाना नहीं है। सबसे अच्छी बात यह है कि मैंने देखा कि खिलाडियों ने पूरा प्रयास किया और हमने हार नहीं मानी। हमने कुछ अच्छे प्रदर्शन किए और कुछ अन्य चीजें हैं जिन्हें हमें ठीक करने की आवश्यकता है, लेकिन यह आगे बढने का एक अच्छा बिंदु है।भारत अब इंटरकांटिनेंटल कप के अपने अगले मैच में 9 सितंबर को सीरिया से खेलेगा, यह मैच तीन टीमों की प्रतियोगिता के भाग्य का फैसला कर सकता है। निर्णायक मुकाबले से पांच दिन दूर, मार्क्वेज सही संयोजन खोजने के मिशन पर हैं। मार्क्वेज ने कहा,अभी, यह सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को खोजने के बारे में नहीं है। यह पिच के विभिन्न क्षेत्रों में सही संयोजन का पता लगाने और एक टीम के रूप में हम विभिन्न परिस्थितियों का प्रबंधन कैसे कर सकते हैं, इसके बारे में है।एक स्थिति जहां हम काफी अच्छी तरह से स्थापित हैं वह सेंटर–बैक की है। राहुल (भेके) और सना (कोंशम चिंगलेनसाना सिंह) ने मॉरीशस के खिलाफ बहुत अच्छा खेल दिखाया था, और संदेश (झिंगन), अनवर (अली), मेहताब (सिंह) और अन्य लोग किनारे पर इंतजार कर रहे हैं।

मॉरीशस के खिलाफ भारत के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में से एक भेके के लिए 3 सितंबर की रात काफी खास रही। 33 वर्षीय खिलाड़ी को पहली बार कप्तान के आर्मबैंड के साथ राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करने का अवसर मिला।

# बीसीबी अध्यक्ष, सीईओ ने महिला टी20 विश्व कप से पहले अमीरात बोर्ड के अध्यक्ष से की मुलाकात

नई दिल्ली बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष फारुख अहमद और सीईओ निजाम उद्दीन चौधरी, महिला टी20 विश्व कप से पहले अबू धाबी में अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष नाहयान मबारक अल नाहयान से मिले।

मूल रूप से बांग्लादेश में होने वाला 2024 महिला टी20 विश्व कप, राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं के कारण आईसीसी द्वारा 20 अगस्त को संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित कर दिया गया था। अब यह 23 मैचों का टूर्नामेंट 3 से 20 अक्टूबर तक दुबई और शारजाह में आयोजित किया जाएगा। बीसीबी टूर्नामेंट का मेजबान बना रहेगा, जबकि ईसीबी इसका आयोजन करेगा।

बीसीबी अध्यक्ष अहमद ने ईसीबी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि ईसीबी टूर्नामेंट का सफल

आयोजन करेगा। उन्होंने कहा कि दोनों बोर्डों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं और वे टूर्नामेंट के आयोजन में ईसीबी और आईसीसी के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।

प्रत्येक टीम दुबई और शारजाह में चार ग्रुप मैच खेलेगी। टूर्नामेंट में तीन डबल–हेडर मैच भी होंगे। दोपहर के खेल स्थानीय समयानुसार दोपहर 2 बजे शुरू होंगे, जबकि शाम के मैच शाम 6 बजे शुरू होंगे।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी, जो 17 और 18 अक्टूबर को क्रमशरू दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसके बाद 20 अक्टूबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में फाइनल होगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए एक रिजर्व दिन आवंटित किया गया है।

ईसीबी अध्यक्ष नाहयान ने कहा कि वे संयुक्त अरब अमीरात में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के आयोजन से खुश हैं। उन्होंने कहा कि ईसीबी ने बार–बार अपनी मेजबानी क्षमताओं को साबित किया है और वे एक बार फिर विश्व स्तरीय आयोजन देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आईसीसी और बीसीबी को उनके विश्वास के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वे सभी प्रतिभागियों का स्वागत करने और पूरे टूर्नामेंट में शीर्ष स्तर की क्रिकेट सुविधाएं प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।भारत ग्रुप ए में छह बार की चौंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ है, जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, 2009 की चौंपियन इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, 2016 की विजेता वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड शामिल हैं। मुख्य टूर्नामेंट से पहले, 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 10 अभ्यास मैच होंगे।

# विराट कोहली ने दिया 66 करोड़ रुपये का टैक्स, एमएस धोनी भी नहीं है पीछे

कुल मिलाकर, वह अभिनेता शाहरुख खान (92 करोड़), विजय (80 करोड़), सलमान खान (ध्75) और अमिताभ बच्चन (71 करोड़) के बाद सेलिब्रिटी करदाताओं में पांचवें स्थान पर रहे। विराट कोहली, जो पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने के बाद क्रिकेट से ब्रेक पर हैं। फॉर्च्यून इंडिया द्वारा जारी सूची के अनुसार, पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली वित्तीय वर्ष 2023–24 में देश में सबसे अधिक कर देने वाले खिलाड़ी होंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत के शीर्ष खेल आइकन में से एक कोहली ने वित्त वर्ष 2024 में 66 करोड़ रुपये का भुगतान किया। यह राशि आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी मिशेल स्टार्क (24.75 करोड़ रुपये) की बिक्री कीमत से लगभग तीन गुना अधिक है।कुल मिलाकर, वह अभिनेता

शाहरुख खान (ध्92 करोड़), विजय (ध्80 करोड़), सलमान खान (ध्75) और अमिताभ बच्चन (71 करोड़) के बाद सेलिब्रिटी करदाताओं में पांचवें स्थान पर रहे। विराट कोहली, जो पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने के बाद क्रिकेट से ब्रेक पर हैं, भारत में सबसे अधिक कर देने वाले सेलिब्रिटी की सूची में अन्य खेल हस्तियों से काफी आगे हैं। बता दें कि सूची में अगले क्रिकेट दिग्गज एमएस धोनी थे। दो बार के विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय कप्तान ने पिछले वित्तीय वर्ष में 38 करोड़ रुपये का भुगतान करके सातवां स्थान प्राप्त किया। 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बावजूद धोनी सबसे अधिक कमाई करने वाले भारतीय खिलाड़ियों में से एक हैं। वह अब केवल चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलते हैं। हालांकि, अगले सीजन में उनकी भागीदारी पर अभी तक कोई स्पष्टता नहीं है। कोहली और धोनी के बाद, मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर सबसे ज्यादा करदाताओं की सूची में शीर्ष 10 में शामिल होने वाले एकमात्र अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं। महान क्रिकेटर, जो अभी भी वनडे और टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने, दोनों प्रारूपों में सबसे ज्यादा शतक बनाने और 200 टेस्ट मैच खेलने वाले दुनिया के एकमात्र क्रिकेटर हैं, ने वित्त वर्ष 24 में कुल ध्28 करोड़ का कर चुकाया। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली, जो कुछ समय तक बीसीसीआई अध्यक्ष भी रहे, इस सूची में 12वें स्थान पर हैं। गांगुली ने 23 करोड़ रुपए कर के रूप में चुकाए। इस सूची में मौजूदा भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत भी शामिल हैं। ऑलराउंडर हार्दिक ने 13 करोड़ रुपये का टैक्स चुकाया, जबकि चोट के कारण लंबे समय से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज पंत ने 10 करोड़ रुपये टैक्स के तौर पर चुकाए।

# टैक्स जमा करने के मामले में विराट टाप पर, जानें 5 में कौन–कौन खिलाड़ी हैं शामिल ?

विराट कोहली रनों के मामले में ही नहीं बल्कि 2024 में सबसे ज्यादा टैक्स अदा करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं हैरान करने वाली बात ये है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टॉप 20 में कहीं नहीं हैं। फॉर्च्यून इंडिया की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि विराट कोहली के अलावा महेंद्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर भी टॉप टैक्स पैयर्स में शामिल हैं। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली रनों के मामले में ही नहीं बल्कि 2024 में सबसे ज्यादा टैक्स अदा करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं हैरान करने वाली बात ये है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टॉप 20 में कहीं नहीं हैं। फॉर्च्यून इंडिया की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि विराट कोहली के अलावा महेंद्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर भी टॉप टैक्स पैयर्स में शामिल हैं। बता दें कि, विराट कोहली भारत के सबसे अमीर खिलाड़ियों में से एक हैं। वह टैक्स देने के मामले में भी पीछे नहीं हैं। 2024 के वित्तीय वर्ष में उन्होंने 66 करोड़ रुपये टैक्स जमा किया है। जिससे वह भारतीय हस्तियों के बीच पांचवें सबसे ज्यादा टैक्स पेयर्स बन गए हैं। वहीं रोहित शर्मा का नाम टॉप 20 टैक्स पेयर्स सेलिब्रिटीज की लिस्ट से गायब हैं। जबकि एमएस धोनी ने 38 करोड़ रुपये टैक्स चुकाया है। वह छठे स्थान पर हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर ने 2024 में भारत सरकार को 28

करोड़ रुपये का टैक्स चुकाया है। इसके अलावा सौरभ गांगुल ने 23 करोड़ रुपये, हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत ने भी क्रमशरू 13 करोड़ रुपये और 10 करोड़ रुपये के योगदान के साथ सूची में जगह बनाई है। 2024 में भारत के टॉप–5 टैक्स पेयर्स विराट कोहली– 66 करोड़ महेंद्र सिंह धोनी– 38 करोड़ सचिन तेंदुलकर–28 करोड़ सौरव गांगुली–23 करोड़ हार्दिक पंड्या– 13 करोड़

# फुरकत गाने के बारे में नेहा भसीन ने किया खुलासा, कहा- मेरा जुनून पोएटिक म्यूजिक वीडियो बनाना

सिंगर नेहा भसीन ने अपने लेटेस्ट सॉन्ग फुरकत के बारे में खुलासा करते हुए बताया कि पोएटिक म्यूजिक वीडियो (काव्यात्मक संगीत वीडियो) बनाना मेरा जुनून है। उन्होंने कहा कि उन्हें संगीत बनाना काफी पसंद है, और पोएटिक म्यूजिक वीडियो बनाना उनका जुनून है।नेहा ने कहा, मुझे म्यूजिक बनाना बेहद पसंद है और आइकोनिक और लुभावने म्यूजिक वीडियो बनाना मेरा जुनून है। मेरे लिए म्यूजिक विजुअल भी है।फुरकत की शूटिंग महाराष्ट्र में वाई के खूबसूरत जगहों पर की गई है। जूनो द्वारा लिखे गए लिरिक्स अलगाव और एकतरफा प्यार की थीम को एक्सप्लोर करते हैं।

गाने में लोकेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसमें बंजर पहाड़ तनहाई और तबाही की भावनाओं को चित्रित करते हैं। धूप से चमकती झील और बड़े लैंडस्केप दिल के दर्द को बयां करते हैं। इसमें नेहा अपने ट्रेडमार्क हाई–फैशन आउटफिट्स से गाने का भाव व्यक्त करती हैं।सिंगर ने कहा, समीर उद्दीन के निर्देशन में परफॉर्म करना एक शानदार अनुभव था। मेरे लिए, फैशन आर्ट है,

और फुरकत की शानदार कम्पोजिशन है, और अब सारी मेहनत रंग ला रही है।नेहा के अलावा, गाने में इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 2 की विजेता युवा प्रतिभा सौम्या कांबले बेली डांस करती नजर आएंगी।कांबले के बारे में बात करते हुए, नेहा ने कहा, फैंस खुश हैं और सौम्या जैसी युवा प्रतिभा को प्रदर्शित करना सौभाग्य की बात है।

# मौत का खतरा कई गुना ज्यादा बढ़ा देती है आपकी एक आदत, शराब से भी ज्यादा खतरनाक

आजकल खराब लाइफस्टाल की वजह से कई तरह की बीमारियां फैल रही है. सबसे ज्यादा खतरा दिल की सेहत को होता है. कई आदतें ओवरऑल हेल्थ के लिए हानिकारक होती हैं. ऐसी ही एक आदत है देर तक बैठना. वैज्ञानिकों ने बताया है कि शराब की तरह ही लंबे समय तक बैठना भी सेहत के लिए खतरनाक है. एक अध्ययन में पाया गया कि ड्राइवर और कंडक्टर या गार्ड की सेहत की तुलना की गई. जिसमें पाया गया कि दोनों का खानपान और लाइफस्टाइल काफी हद तक एक जैसी थी, लेकिन ज्यादा देर तक बैठने से हार्ट डिजीज का खतरा, खड़े रहने की तुलना में दोगुना पाया गया है. जानिए लंबे समय तक बैठने के साइड इफेक्ट्स...

बहुत देर तक बैठना क्यों खतरनाक

शोधकर्ताओं ने बताया कि ऑफिस में ज्यादा देर तक बैठने, घर में ज्यादातर देर तक बेड पर आराम करने या ड्राइविंग से सेहत को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचता है. फिजिकल एक्टिविटीज जितनी ज्यादा कम होती है, सेहत के लिए उतनी ही दिक्कतें बढ़ती हैं. ये उम्र को कम करने के साथ ही डिमेंशिया जैसी दिमागी बीमारी और डायबिटीज का खतरा बढ़ता है. इतना ही नहीं हार्ट की समस्याएं भी बढ़ाती हैं.

ज्यादा देर तक बैठने के नुकसान

1. जल्दी मौत का खतरा

हेल्थ एक्सपर्ट्स ने बताया कि लंबे समय तक बैठे रहने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं. जिसकी वजह से समय से पहले मौत का खतरा ज्यादा रहता है. अगर बहुत देर तक बैठते हैं और एक्सरसाइज भी करते हैं तो भी इसके खतरे को कम नहीं किया जा सकता है. इस आदत से हार्ट की समस्या, डायबिटीज जैसी खतरनाक बीमारियां बढ़ती हैं, जो उम्र को कम करती है.

2. डिमेंशिया का रिस्क

शोधकर्ताओं ने बताया कि ऐसे लोग जो बहुत देर तक बैठे रहते हैं, उनमें दिमागी समस्याएं यहां तक की डिमेंशिया का खतरा काफी ज्यादा रहता है. ज्यादा देर तक बैठने से हार्ट डिजीज, डायबिटीज, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा रहता है, जो डिमेंशिया का प्रमुख कारण है. इसलिए हेल्थ एक्सपर्ट्स थोड़ी–थोड़ी देर में उठकर घूमने की सलाह देते हैं.

3. मोटापा और हार्ट का जोखिम

अगर ज्यादातर समय बैठकर टीवी देखने, काम करने या ऑफिस में बैठने में बिताते हैं तो

# एनिमेटेड सीरीज बाहुबली–क्राउन आफ ब्लड का ट्रेलर हुआ रिलीज,अनदेखी कहानियों का होगा खुलासा

साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली ने इउंटरनेशनल लेवल पर इतिहास रचा था. इस फिल्म की कहानी को लेकर आज भी दर्शकों में रोमांच कायम है. वहीं पहले भाग की रिलीज के बाद एक इंटरनेशनल सवाल बन गया था कि कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा ? फिल्म के दूसरे भाग को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया था. अब ओटीटी पर बाहुबली अलग अवतार में आने वाली है. एसएस राजामौली की ये फिल्म अब एक एनिमेटेड सीरीज में रिलीज होगी. इसका नाम बाहुबलीरू क्राउन ऑफ ब्लड रखा गया है. शो का ट्रेलर लॉन्च किया गया है. इसे मेकर्स फिल्म का प्रीक्वल बता रहे हैं.

माहिष्मती साम्राज्य पर आधारित ये सीरीज जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर आने वाली है. इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है. नया एनिमेटेड प्रोजेक्ट फिल्म फ्रेंचाइजी का प्रीक्वल है. एक बयान के अनुसार, बाहुबलीरू क्राउन ऑफ ब्लड, एक ऐसी कहानी है जहां बाहुबली और भल्लालदेव महिष्मति के महान साम्राज्य को बचाने के लिए साथ लड़ते हैं. दोनों भाई अपनी खटास भूलकर रक्तदेव नाम के रहस्यमय सरदार के खिलाफ सिंहासन की रक्षा के लिए हाथ मिलाते हैं. सीरीज देखकर दर्शक एक्साइटमेंट से भर गए हैं.

फिल्म में प्रभास, राणा दग्गुबाती, अनुष्का शेट्टी और तमन्ना भाटिया ने अभिनय किया था. एनिमेटेड सीरीज में भी किरदार हूबहू इनके चेहरे से मिले–जुले बनाए गए हैं. हमें प्रभास और राणा दग्गुबाती की झलक देखने को मिलती है.पावर–पैक एक्शन सीरीज 17 मई 2024 से डिज्नी हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है.बाहुबली क्राउन ऑफ ब्लड के निर्माता राजामौली ने कहा, बाहुबली की दुनिया बहुत विशाल है, और फिल्म फ्रेंचाइजी इसका सटीक परिचय थी. यह कहानी पहली बार बाहुबली और भल्लालदेव के एक काले रहस्य को उजागर करेगी क्योंकि

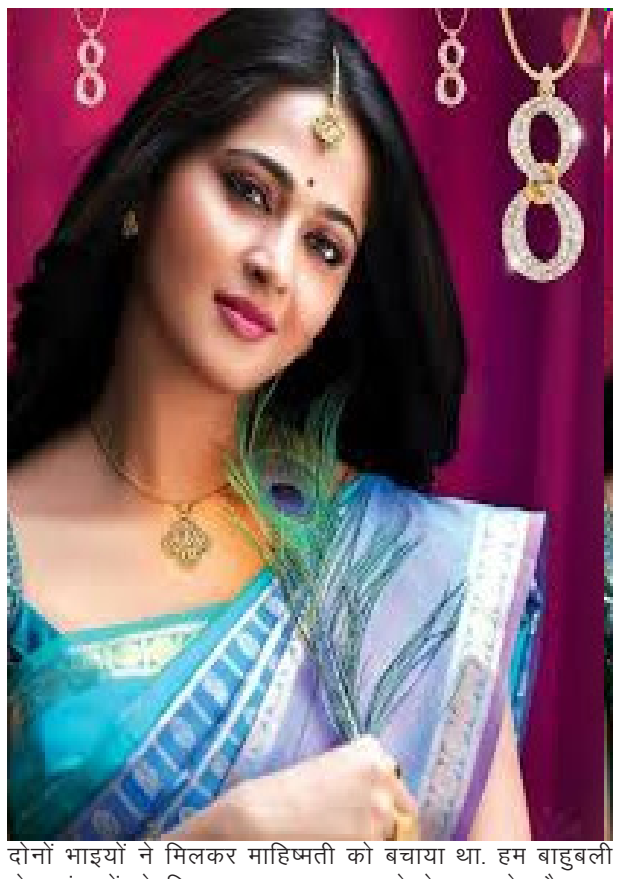

दोनों भाइयों ने मिलकर माहिष्मती को बचाया था. हम बाहुबली के प्रशंसकों के लिए इस नए अध्याय को पेश करके और इस कहानी को एनिमेटेड प्रारूप में लाकर बेहद खुश हैं.

# अजय देवगन की मैदान की कमाई में अब हो रहा इजाफा, बड़े मियां छोटे मियां का खेल खत्म होता आ रहा नजर

अजय देवगन की स्पोर्ट्स ड्रामा 'मैदान' और अक्षय कुमार–टाइगर श्रॉफ की 'बड़े मियां छोटे मियां' को सिनेमाघरों में अब तीन हफ्ते पूरे हो चुके हैं. बड़ी स्टार कास्ट वाली इन दोनों फिल्मों की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस बेहद निराशाजनक रही है.हालांकि दोनों फिल्मों के दमदार ट्रेलर देखने के बाद उम्मीद की जा रही थी ये साल 2024 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्ट साबित होंगी लेकिन हुआ इसका उल्टा. हालांकि 'मैदान' फिर भी अब बॉक्स ऑफिस पर अपनी कमाई की रफ्तार बढ़ा रही है लेकिन बड़े मियां छोटे मियां का बेहद बुरा हाल है. चलिए यहां जानते हैं अक्षय कुमार और अक्षय देवगन की इन फिल्मों ने रिलीज के 22वें दिन कितना कलेक्शन किया है?'बड़े मियां छोटे मियां' काफी उम्मीदों के साथ सिनेमाघरों में ईद के मौके पर रिलीज हुई थी. फिल्म ने ओपनिंग डे पर डबल डिजीट में कमाई की थी जिसके बाद लग रहा था कि ये फिल्म अक्षय और टाइगर के डूबते करियर की नैय्या को पार लगा देगी. लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ. इसके बाद फिल्म की कमाई में हर दिन गिरावट दर्ज की गई. दर्शकों को फिल्में खूब मार–धाड़ तो मिली लेकिन कमजोर कहानी ने इस फिल्म की लुटिया डूबो दी और अब ये टिकट काउंट पर पाई–पाई को मोहताज है. फिल्म की कमाई की बात करें तो 'बड़े मियां छोटे मियां' ने पहले हफ्ते 49.9 करोड़ और दूसरे हफ्ते में 8.6 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के तीसरे हफ्ते के तीसरे गुरुवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'बड़े मियां छोटे मियां' ने रिलीज के 22वें दिन महज 40 लाख की कमाई की है. इसके बाद 'बड़े मियां छोटे मियां' का 22 दिनों का कुल कलेक्शन अब 62.45 करोड़ रुपये हो गया है. अजय देवगन की स्पोर्ट्स ड्रामा 'मैदान' का ईद के मौके पर अक्षय–टाइगर की 'बड़े मियां छोटे मियां' से क्लैश हुआ था.

जहां 'बड़े मियां छोटे मियां' को दर्शकों से काफी खराब रिस्पॉन्स मिला तो वहीं 'मैदान' की कहानी की खूब तारीफ हुई और अजय देवगन की एक्टिंग को भी सभी ने सराहा. बावजूद इसके 'मैदान' भी कुछ खास कलेक्शन नहीं कर पाई है.फिल्म रिलीज के तीन हफ्ते पूरे होने के बाद भी आधी लागत नहीं वसूल पाई है. हालांकि तीसरे हफ्ते में 'मैदान' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी खासी तेजी दिखाई और 21वें दिन तो फिल्म ने करोड़ों में भी कमाई की. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो 'मैदान' की पहले हफ्ते की कमाई 28.35 करोड़ और दूसरे हफ्ते का कलेक्शन 9.95 करोड़ रुपये है. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के तीसरे हफ्ते के तीसरे गुरुवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'मैदान' ने रिलीज के 22वें दिन 55 लाख की कमाई की है. इसी के साथ 'मैदान' का 22 दिनों का कुल कलेक्शन अब 45.65 करोड़ रुपये हो गया है.

# फिल्म कुबेर से नागार्जुन अक्किनेनी की दिलचस्प फर्स्ट लुक जारी

शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक बहुप्रतीक्षित सामाजिक नाटक कुबेर ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। फिल्म में धनुष के किरदार के हालिया खुलासे ने प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है, जिससे इसकी रिलीज की प्रत्याशा बढ़ गई है। अब किंग नागार्जुन अक्किनेनी का आधिकारिक फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है, जिसका प्रीमियर आज विशेष रूप से स्टार स्पोर्ट्स पर किया गया।निर्माताओं ने फिल्म कुबेर से नागार्जुन का पहला लुक जारी किया। वीडियो में अभिनेता साधारण लेकिन आकर्षक लगे। वह हाथ में छाता लिए एक ट्रक के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। पहली झलक में कैश से भरा एक भारी कंटेनर नजर आ रहा है। चूंकि बारिश हो रही है इसलिए नागार्जुन छाता लेकर पहुंचते हैं। जब वह 500 का नोट जमीन पर गिरा हुआ देखते हैं तो वह अपने बटुए से दूसरा नोट निकालते हैं और ट्रक

में रख देते हैं।ऐसा प्रतीत होता है कि फिल्म में नागार्जुन एक ईमानदार अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, पहली नजर में उनके किरदार के अन्य विवरण सामने नहीं आए हैं। देवी श्री प्रसाद ने क्लिप के लिए एक शानदार बीजीएम स्कोर किया। कुशल निर्माता शेखर कम्मुला धनुष और नागार्जुन को विपरीत भूमिकाओं में दिखा रहे हैं। जहां फर्स्ट लुक में धनुष एक गरीब लडके के गेट–अप में नजर आए, वहीं नागार्जुन अपने फर्स्ट लुक पोस्टर में बेहद क्लासी लगे।सुनील नारंग और पुस्कुर राम मोहन राव द्वारा निर्मित फिल्म कुबेर में रश्मिका मंदाना की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण बताई जा रही है। कुबेर एक पैन इंडिया फिल्म है जिसमें धनुष, नागार्जुन अक्किनेनी, रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म के जरिए निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष पहली बार साथ काम कर रहे हैं। कुबेर में संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी निकेथ बोम्मी ने की है।

# अक्षय कुमार और अरशद वारसी स्टारर जाली एलएलबी 3 की शूटिंग हुई शुरु, खिलाड़ी ने शेयर किया मजेदार वीडियो

अक्षय कुमार बैक टू बैक फ्लॉप फिल्मों दे रहे हैं. पिछले तीन सालों में ओएमजी 2 को छोड़ दे तो उन्होंने कोई बड़ी हिट फिल्म नहीं दी है. हाल ही में अक्षय कुमार बड़े मियां, छोटी मियां में नजर आए थे. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत अच्छी की. लेकिन एक हफ्ते बाद की यह फ्लॉप हो गई. इससे पहले अक्षय कुमार मिशन रानीगंज लेकर आए थे. यह फिल्म भी बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई. लगातार फ्लॉप फिल्मों के बीच अब अक्षय कुमार ने अपनी एक और फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है. उनकी यह फिल्म सात पहले आई फिल्म का रीमेक है.दरअसल अक्षय कुमार ने जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू कर दी है. इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2013 में आई थी. जिसमें अरशद वारसी मुख्य भूमिका में थे. जिसका निर्देशन सुभाष कपूर ने किया था. इस फिल्म की शानदार सफलता के बाद सुभाष कपूर साल 2017 में अक्षय कुमार के साथ जॉली एलएलबी 2 लेकर आए. इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस बेहतरीन कमाई की थी. दोनों फिल्मों की सफलता के बाद अब जॉली एलएलबी 3 लेकर आ रहे हैं. इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दिया गया है. जॉली एलएलबी 3 में इस बार अक्षय कुमार के साथ अरशद वारसी भी नजर आने वाले हैं. एक्टर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है. जिसमें अक्षय कुमार और अरशद वारसी दोनों जॉली एलएलबी के रोल में दिख रहे हैं. वहीं जज के रोल में नजर आ रहे हैं सौरभ शुक्ला बता रहे हैं कि जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू हो गई है. हालांकि यह फिल्म कब रिलीज होगी इसका अभी घोषणा नहीं हुई है. सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार, अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला का यह वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं.

# मोनालिसा ने लाल साड़ी में दिखाया कातिलाना अंदाज, तस्वीरें हो रही हैं वायरल

भोजपुरी इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना मोनालिसा आए दिन अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

टीवी की सुपरबोल्ड एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण इंटरनेट पर लाइमलाइट में रहती हैं। उनकी हर एक तस्वीरें चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों को देखकर लोग उन पर से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि मोनालिसा ने रेड कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना अदाओं से फैंस के दिलों पर खंजर चलाती हुई नजरह आ रही हैं। ओपन हेयर, गले में गोल्ड के बड़े से नेकलेस, कानों में झुमकें और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। मोनालिसा की इन तस्वीरों को देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। साथ ही कॉमेंट्स के जरिए रिएक्शंस भी दे रहे हैं। एक यूजर ने मोनालिसा की फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है बेहद

खूबसूरत हैं आप, वहीं दूसरे ने लिखा है– सो अमेजिंग। तीसरे यूजर ने लिखा है– मोना की हर अदाएं कातिल हैं। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

# रणवीर सिंह के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट, साउथ इंडस्ट्री के ब्लाकबस्टर डायरेक्टर प्रशांत वर्मा संग करेंगे राक्षस

रणवीर सिंह के पास कुछ फिल्में हैं और वह इन दिनों अधिक फिल्में साइन कर रहें हैं और अधिक स्क्रिप्ट सुन रहें हैं। अपने नए प्रोजेक्ट्स के अलावा रणवीर, दीपिका पादुकोण की प्रेग्नेंसी की खबरों और अपने वायरल डीपफेक वीडियो को लेकर भी सुर्खियों में हैं। बता दें कि ये बॉलीवुड कपल अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहें हैं। जबकि रणवीर अपने ब्रांड शूट और अन्य कार्यों में बिजी हैं। अब एक फेमस साउथ इंडस्ट्री फिल्म डायरेक्टर के साथ राक्षस नामक एक नई फिल्म साइन करने की खबर सामने आई है।एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रणवीर सिंह भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित एक फिल्म के लिए हनुमैन फेम प्रशांत वर्मा के साथ बातचीत कर रहें हैं। फिछ्ल्म पर चर्चा तब चल रही थी जब वह नए प्रोजेक्ट, राक्षस पर काम शुरू करने के लिए लोकप्रिय स्टूडियोज को लाने की कोशिश कर रहे थे। नई रिपोर्टों में कहा गया कि उन्हें पुष्पा, पुष्पा 2, उप्पेना, सरकारू वारी पाटा, कुशी और कई अन्य फिल्मों के लिए फेमस माइथ्री मूवी मेकर्स से समर्थन मिला है।रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म राक्षस प्रशांत सिनेमाई ब्रह्मांड से संबंधित है। निर्देशक कई पात्रों को पेश करने और उन सभी को एक अंतिम फिल्म में एक साथ लाने की योजना बना रहें हैं। बताया गया कि राक्षस की स्क्रिप्टिंग और विजुअलाइजेशन पहले ही पूरी हो चुकी है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि रणवीर और प्रशांत ने हनुमान जयंती के अवसर पर राक्षसों के लिए पूजा भी की थी। रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो फरहान अख्तर और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने घोषणा की कि रणवीर कियारा आडवाणी के साथ डॉन 3 के लिए शाहरुख खान की जगह लेंगे। हाल ही में खबरें सामने आई कि फरहान ने इस फिल्म को कुछ समय के लिए ठंडे बस्ते में डाल दिया है। रिपोर्ट्स की मानें तो उनके पास एस शंकर की एक फिल्म है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह अन्नियन की रीमेक है। माना जाता है कि वह शक्तिमान पर एक फिल्म के लिए बातचीत कर रहें हैं। उनकी अगली फिल्म रोहित शेट्टी के साथ सिंघम अगेन है।

## आयुष शर्मा की रुसलान ने छूआ 4 करोड़ रुपये का आंकड़ा, जानिए 7वें दिन का कारोबार

अभिनेता आयुष शर्मा की फिल्म रुसलान से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आ रही हैं।एक्शन से भरपूर यह फिल्म लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई। फिल्म की दैनिक कमाई शुरुआत से लाखों में सिमटी हुई है।रुसलान ने 7 दिन बाद टिकट खिडकी पर 4 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूआ है।आइए जानते हैं फिल्म ने सातवें दिन कितने लाख रुपये कमाए।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, रुसलान ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार को 29 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 4 करोड़ रुपये हो गया है।

# राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर प्री ट्रायल की हुई बैठक

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ, के निर्देशानुसार आज दिनांक 05–11–2024 को माननीय अरविन्द राय पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण की अध्यक्षता में दिनांक 14–12–2024 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना से संबंधित क्लेम पेटिशन मामलों को अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित किए जाने हेतु प्री–ट्रायल बैठक का आयोजन किया गया।

यह बैठक मनोज कुमार तिवारी अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीशध पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सम्पूर्णानन्द बक्शी, इजहार अली, संजय दूबे, प्रभाकर गुप्ता, मिथिलेश मिश्रा, इम्तियाज अली, गिरजेश बहादुर सिंह, राम प्रकाश धर द्विवेदी, प्रमोद कुमार, सरफराज मलिक, विनय चन्द्र मिश्रा, अजय यादव, प्रमोद धर द्विवेदी, विपिन चन्द्र त्रिपाठी, राजेश यादव, नफीस हैदर, मकसूद अली व अन्य विद्वान अधिवक्तागण के साथ–साथ कार्यालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण सिद्घार्थनगर के कर्मचारी एवं कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्घार्थनगर के कर्मचारी उपस्थित रहें

माननीय अरविन्द राय पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, सिद्धार्थनगर द्वारा दिनांक 14–12–2024 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मोटर दुर्घटना से संबंधित क्लेम पेटिशनों को निस्तारित किये जाने पर बल दिया गया तथा बीमा कम्पनी एवं मोटर दुर्घटना से संबंधित क्लेम पेटिशन मामलों से सम्बन्धित अधिवक्तागणों से अधिक से अधिक पत्रावलियों को निस्तारित कराए जाने का प्रयास करने हेतु विचार विमर्श किया गया।इस आशय की जानकारी मनोज कुमार तिवारी, अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीशध पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्धार्थनगर द्वारा दिया गया है।

# विपणन शाखा बर्डपुर क्रय केंद्र का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा राजकीय धान क्रय केन्द्र, विपणन शाखा बर्डपुर का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा नमी मापक यंत्र से चेक किया गया जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसानो के

धान का तौल करके समय से भुगतान करे किसानो से वार्ता कर उन्हें प्रेरित करे कि धान को क्रय केन्द्र पर बेचने हेतु प्रोत्साहित करे अनुबन्ध किये गये राइस मिल पर समय से धान की कुटाई हेतु भेजना सुनिश्चित करे निरीक्षण के दौरान डिप्टी आरएमओ गोरखनाथ त्रिपाठी, केय केन्द्र प्रभारी आदि उपस्थित थे।

# आवश्यक वितरण को लेकर प्रशासन द्वारा जारी हुआ निर्देश

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत आवश्यक वस्तुओं का वितरण दिनांक 07.11. 2024 से प्रारम्भ होकर दिनांक 25.11.2024 तक निम्नानुसार सम्पन्न होगा रू–राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत आच्छादित अन्त्योदय लाभार्थियों को प्रति कार्ड 17 किग्रा0 गेहूं एवं 18 किग्रा० फोर्टिफाइड चावल (कुल 35 किग्रा०) खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण किया जाएगा।राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत आच्छादित पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को 2.50 किग्रा० गेहूं प्रति यूनिट एवं 2.50 किग्रा0 फोर्टिफाइड चावल प्रति यूनिट (कुल 05 किग्रा० प्रति यूनिट) खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण किया जाएगा।

# अटल विहारी बाजपेयी खेल मैदान का जिलाधिकारी द्वारा किया गया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी खेल मैदान, ग्राम पंचायत बर्डपुर नं0–4 के लक्ष्मीपुर, विकास खण्ड बर्डपुर का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ओपन जिम, दर्शक दीर्घा, ध्यान केन्द्र चबूतरा का निर्माण गुणवत्तापूर्ण एवं माह दिसम्बर 2024 तक पूर्ण

कराने का निर्देश दिया इसके साथ ही बर्डपुर नं0–3 टोला अमानगंज में मनरेगा द्वारा निर्माण कराये जा रहे खेल मैदान का जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सोलर लाइट, ओपन जिम, बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं माह जनवरी 2025 तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि प्रत्येक सप्ताह मनरेगा द्वारा बनाये जा रहे खेल मैदान की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध करायेगे इसके साथ ही जनपद के सभी मनरेगा पार्कध्खेल मैदान का निरीक्षण करने का निर्देश दिया निरीक्षण के दौरान उपरोक्त के अतिरिक्त जिला विकास अधिकारी गोपाल प्रसाद कुशवाहा, खण्ड विकास अधिकारी बर्डपुर सुरेश कुमार मौर्य व अन्य सम्बधित अधिकारी उपस्थित थे।

# दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

मीरजापुर (आरएनएस)। लालगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत मेवड़ी गांव के सामने दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर हो गई जिसमें एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर पहुंचे परिजनों ने घायल को लेकर उपचार कराने के लिए मंडलीय अस्पताल लेकर गए जहां पर मौजूद चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर गंभीरावस्था में वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। लालगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत मुंशीपुर गांव निवासी ओम प्रकाश मौर्या पुत्र देवनारायण मौर्या उम्र करीब 22 वर्ष मंगलवार को अपने घर से बाइक पर सब्जी लेकर मंडी जा रहा था कि मेउड़ी गांव के सामने अज्ञात बाइक सवार की आमने–सामने टक्कर हो गई जिससे ओमप्रकाश मौर्य गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पीआरबी पुलिस के साथ ग्रामीणों ने घायल को उपचार के लिए निजी साधन से मिर्जापुर लेकर गए। जहां पर मौजूद चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर गंभीरावस्था देखते हुए घायल को वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। दूसरा बाइक सवार मौके से अपनी बाइक लेकर फरार हो गया। लहंगपुर चौकी की पुलिस को जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए क्षतिग्रस्त बाइक को अपने कस्टडी में लिया।

# विकास खंड बढ़नी अंतर्गत ग्राम सभाओं में नरेगा पार्क एवं एम डी एम शेड का किया गया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जयेन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत पकडिहवा में महात्मा गांधी नरेगा पार्क एवं ग्राम पंचायत ढेबरुआ एम.डी.एम शेड एवं निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय खण्ड विकास अधिकारी बढ़नी, ग्राम सचिव, ग्राम प्रधान एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहें। विद्यालय परिसर में महात्मा गांधी नरेगा योजना के अन्तर्गत निर्माणाधीन एम.डी.एम. शेड का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय प्राथमिक विद्यालय ढेबरुआ परिसर के बच्चों के लिए भोजन के लिए एम.डी.एम शेड का निर्माण कार्य कराया जा रहा है शेड के नींव एवं पिलर का निर्माण कार्य

कराया जा रहा है। तकनीकी सहायक को निर्माण कार्य गुणवत्ता ढंग से करने के निर्देश दिया गया खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि नियमित रुप से कार्य का निरीक्षण करते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।महात्मा गांधी नरेगा पार्क निरीक्षण के समय पार्क का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया है, पार्क के चारो तरफ बाउण्डीवाल निर्माण कार्य प्रगति पर है खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि मानक के अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

# हड़कंप बस्ती में पहुंचा मगरमच्छ, देखते ही ग्रामीणों की बढ़ गई धड़कन

मीरजापुर (आरएनएस)। जिले के सूदूरवर्ती क्षेत्र हलिया वन क्षेत्र के दिघिया गांव की बस्ती में सोमवार की रात एक 8 फीट लंबा मगरमच्छ दिखाई देने पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ कर ददरी बांध के गहरे जलाशय में छोड़ दिया। बताया गया है कि दिघिया गांव के बस्ती में लगातार कुत्तों के भौंकने से ग्रामीण लाठी लेकर टार्च जलाते हुए मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक 8 फीट लंबा मगरमच्छ सड़क किनारे चहल कदमी कर रहा है। ग्रामीणों ने किसी तरह मगरमच्छ के ऊपर बोरा फेंक कर वन विभाग को सूचित किया। मौके पर पहुंचे वन दरोगा व वन्य जीव रक्षक सहित ग्रामीणों के सहयोग से मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़कर ददरी बांध के गहरे जलाशय में छोड़ दिया तब जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस लिया। इलाके

में लगातार मगरमच्छ दिखलाई देने से लोगों की नींद उड़ गई है। एक दिन पूर्व हलिया विकास खंड क्षेत्र के चककोटार गांव में रविवार की रात गांव निवासी छोटे लाल मौर्य के घर के पास तीन फीट लंबा मगरमच्छ दिखाई दिया था जिसे देखते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया था। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़कर अदवा बांध में छोड़ा था। बताते चलें कि चक कोटार गांव निवासी छोटे लाल मौर्य के घर के पास लगातार कुत्तों के भौंकने से ग्रामीण लाठी और टार्च जलाकर मौके पहुंचे तो देखा कि तीन फीट लंबा मगरमच्छ सड़क किनारे टहल रहा है। ग्रामीणों ने मगरमच्छ के ऊपर बोरा फेंककर उसे घेर लिया। ग्रामीणों ने मगरमच्छ को पकड़ने के लिए वन विभाग को सूचना दी। सूचना पाकर रात 11 बजे पहुंचे वन विभाग के वाचर अशफाक अली, शेषपाल सिंह, रामधनी ने मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़कर पास स्थित अदवा जलाशय के गहरे पानी में छोड़ा था। मगरमच्छ के पकड़े जाने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली थी। ड्रमंडगंज वन रेंजर बीके तिवारी ने बताया कि मगरमच्छ संभवतः अदवा बांध से नहर के रास्ते से गांव में पहुंच गया था जिसे सुरक्षित पकड़कर अदवा बांध में छोड़ दिया गया है। हलिया और ड्रमंडगंज वन रेंज मिर्जापुर का अंतिम छोर है जो मध य प्रदेश राज्य की सीमा और जंगलों से घिरा हुआ है। घने जंगलों पहाड़ों के साथ ही पहाड़ी नदियों और जलाशयों के सूखने और जलीय जीव जंतुओं के भरपुर संरक्षण की योजना न होने से यह भटकते हुए आबादी की ओर बढ़ आते हैं जिससे इनके जान को खतरा बढ़ जाता है तो वहीं ग्रामीण भी इन्हें देख सशंकित हो उठते हैं। ग्रामीण बताते हैं कि पूर्व में मगरमच्छ बकरी के मेमने को अपना निवाला बना चुका है। इससे ग्रामीणों में स्वयं के साथ मवेशियों की सुरक्षा को लेकर भी भय बना रहता है।

# भगवान श्रीकृष्ण के जन्म कहानी का मार्मिक और सजीव वर्णन सुन श्रोता हुए भाव–विभोर

मीरजापुर (आरएनएस)। लालगंज विकास खंड क्षेत्र के रेही गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्री कृष्ण के जीवन लीला पर बोलते हुए वृंदावन के कथाकार ने उनके उपदेशों पर विशेष प्रकाश डाला। कथा वाचक भरत कृष्ण शास्त्री महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कहानी का ऐसा मार्मिक और सजीव वर्णन किया कि पंडाल में मौजूद हर श्रोता भाव–विभोर हो गया। श्रीकृष्ण जन्म की कथा सुनते ही श्रोताओं के चेहरों पर आस्था और भक्ति का अद्भुत भाव झलकने लगा। शास्त्री महाराज ने बताया कि कंस के अत्याचारों से त्रस्त वसुदेव और देवकी के लिए भगवान श्रीकृष्ण का जन्म एक अद्भुत वरदान था। कथा के दौरान उन्होंने देवकी और वसुदेव की कठिनाइयों का विस्तार से वर्णन किया। जब उन्हें कंस की कैद में रहकर कष्ट सहने पड़े। महाराज ने बताया कि कैसे आधी रात को देवकी ने बंदीगृह में भगवान श्रीकृष्ण को जन्म दिया और उस पावन क्षण में पूरा पंडाल भक्ति में डूब गया। इसके बाद, महाराज ने उस समय का भी जिक्र किया जब वसुदेव ने नवजात श्रीकृष्ण को यमुना नदी पार कर गोकुल पहुंचाया। उन्होंने यमुना के पानी का वर्णन करते हुए कहा कि कैसे नदी ने अपने पानी को खुद रास्ता देने के लिए कम कर दिया। वखसुदेव सुरक्षित रूप से बालकृष्ण को लेकर नंद बाबा के घर पहुंच सकें। यह सुनकर वहां मौजूद सभी श्रद्धालु भावुक हो गए और पूरे पंडाल में 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारे गूंजने लगे। कथा के समापन पर सभी भक्तों ने दीप जलाकर आरती की और भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। पूरा पंडाल भक्ति के रंग में रंगा हुआ था और हर कोई उस पवित्र क्षण का हिस्सा बनता हुआ महसूस कर रहा था। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे जो दूर–दूर से इस कथा का हिस्सा बनने आए थे।

# जिलाधिकारी ने आगामी छठ पूजा के दृष्टिगत व्यवस्थाओं को लेकर फतहां घाट, बरियाघाट का भ्रमण कर अधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा निर्देश

मीरजापुर (आरएनएस)। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आगामी पर्व छठ पूजा की तैयारियों के दृष्टिगत आज फतहा घाट व बरिया घाट का भ्रमण कर की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर गोवा लाल को निर्देशित करते हुए कहा कि घाटों पर पर्याप्त बैरीकेटिंग, प्रकाश व्यवस्था, साफ सफाई, महिलाओं के वस्त्र बदलने हेतु चेंजिग रूम सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं छठ पूजा से पूर्व कराना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गोवा लाल उपस्थित रहें।

# निर्माण कार्यों की डीएम ने की बिन्दुवार समीक्षा

## समयसीमा पर कार्य पूरा करने के कार्यदाई संस्थाओं को दिए निर्देश

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में 50 लाख से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। उन्होंने निर्माण कार्यों से संबंधित समस्त कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन से निर्धारित समयसीमा के अनुसार गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य कराए जाएं। उन्होंने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग से कहा कि जो अंतर्राज्यीय व अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गेटों का निर्माण कराया गया है उसमें रिफ्लेक्टर लाइट भी लगाई जाए। लोक निर्माण विभाग भवन खंड बांदा के अधिकारी को निर्देश दिए कि सर्किट हाउस के निर्माण कार्य को तेजी से कराया जाए। राही पर्यटक आवास गृह में जो कार्य चल रहा है उसमें आयुक्त ने जो दिशा निर्देश दिया था उसी के अनुसार कार्य हो। उन्होंने सीएनडीएस के अधिकारीयों से कहा कि जो विकास भवन के निर्माण कार्यों में कमियां हैं उनको पूर्ण करें। राजकीय पॉलिटेक्निक मानिकपुर का जो कार्य अधूरा है उसको भी पूरा कराया जाए। मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि इस कार्य की कमेटी गठित कर जांच भी कराएं। मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि शासन को पत्राचार कर ड्रग वेयर हाउस निर्माण कार्य की द्वितीय किस्त जारी कराई जाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मऊ को निर्देश दिए कि मऊ नगर पंचायत कार्यालय के निर्माण कि जो धनराशि कार्यदायी संस्था को दिया जाना है उसको तत्काल दें। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को निर्देश दिए कि नवीन संकेत विद्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। जिसके संचालन के लिए फर्नीचर आदि की शासन स्तर से व्यवस्था कराई जाए। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि गत बैठक में जो निर्माण कार्यों के प्रगति के संबंध में एजेंसियों को निर्देश दिए गए थे उसमें क्या प्रगति हुई है निरंतर समीक्षा करते हुए आगामी बैठक से पूर्व वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष वितरण कराना सुनिश्चित करें। एमओयू क्रियान्वयन में संबंधित विभागों से कहा कि जिन उद्यमियों ने एमओयू उद्योग स्थापित करने के लिए किया है उसमें प्रगति करें। ताकि जीबीसी रेडी जनपद की बढ़ सके। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व से कहा कि जिन उद्यमियों के आवेदन पत्र धारा 80 के स्वीकृत के लिए लंबित है उनका संबंधित तहसीलों से निस्तारण कराया जाए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि कुक्कुट पालन कार्य के लिए इंटेंट फाइल जो बैंक में लंबित है उस पत्रावली को संबंधित बैंक से संपर्क कर ऋण स्वीकृत कराया जाए। उन्होंने सीतापुर चित्रकूट में पशु चिकित्सालय के निर्माण के संबंध में जानकारी की। जिसमें मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि यूपी सीएनडीएस कार्यदाई संस्था को निर्माण के लिए धनराशि शासन स्तर से दिया गया था। जिस पर कार्यदाई संस्था ने रिवाइज एस्टीमेट शासन को भेजा है। स्वीकृत होते ही कार्य शुरू करा दिया जाएगा। शहर में विद्युत ट्रिपिंग एवं विद्युत लोड के संबंध में अधिशासी अभियंता विद्युत ने बताया कि माह नवंबर में जर्जर तार व विद्युत लोड की क्षमता को बढ़ाया जाएगा। ताकि विद्युत की समस्या शहर पर न रहे। राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय में कई वर्ष पूर्ण कराए गए कार्यों के भुगतान के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि इस प्रकरण को देखकर निस्तारित कराए।जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से कहा कि पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण को जो विभाग द्वारा एंबुलेंस संचालित हैं उनका प्रचार प्रचार कराना सुनिश्चित करें। ताकि लोग लाभ ले सके। व्यापार कर अधिकारियों से कहा कि जो व्यापारी रजिस्टर्ड है और उसकी दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है तो उसमें परिवार को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता शासन स्तर से दी जाती है इसका प्रचार प्रसार और अधिक कराया जाए। व्यापारियों का अधिक से अधिक पंजीकरण भी कराया जाए। उपनिदेशक रानीपुर टाइगर रिजर्व प्रभागीय वनाधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने सभी उद्यमियों से कहा कि आज से ईको पर्यटन का शुभारंभ हो रहा है। जिनके पास जिप्सी गाड़ी हो तो वह रजिस्ट्रेशन विभाग में करा लें। उन्होंने कहा कि पर्यटन बढ़ने से जनपद के लोगों का रोजगार बढ़ेगा और आय भी बढ़ेगी। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जनपद स्तर पर उद्यमी अगर इनवेस्ट करेंगे तो अच्छा प्रभाव पड़ेगा और पर्यटकों के लिए चित्रकूट एक आकर्षण का केंद्र बनेगा। बैठक में सीडीओ अमृतपाल कौर, एडीएम उमेश चन्द्र निगम, सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ सुभाष चन्द्र, उपायुक्त जिला उद्योग केन्द्र एसके केसरवानी, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक अनुराग शर्मा, परियोजना अधिकारी नेडा एके श्रीवास्तव, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव, जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय, अधिशासी अभियंता विद्युत दीपक सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका लाल जी यादव सहित संबंधित कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

# बैंकों से स्वीकृत आवेदनों के वितरित कराएं श्रण – डीएम

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।उन्होंने निवेश मित्र पोर्टल, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद ऋण सहायता योजना, एमओयू क्रियान्वयन आदि विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक से कहा कि मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक की प्रगति अत्यंत खराब है। उन्होंने कहा कि जिन बैंकों में आवेदन पत्र स्वीकृत है उनका वितरण कराया जाए, क्योंकि यह योजना सीएम डैशबोर्ड पर आच्छादित है। इसमें प्रगति कराई जाए। एक जनपद एक उत्पाद योजना पर कहा कि जो बैंक आवेदन पत्रों पर ऋण नहीं दे रहे हैं वह लिखित रूप से उपलब्ध कराए कि किन कारणों से सहायता ऋण नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक को निर्देश दिए कि अपने स्तर से बैंकों को

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।